PLANET NEWS INDIA
हर खबर सच के साथ
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, सोमवार, 28 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

Aligarh News: बैंकों की हड़ताल टली, रविवार को छुट्टी वाले दिन भी हुआ काम

राष्ट्रीयकृत और ग्रामीण बैंकों में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल टल गई है। इससे बैंक ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है। हालांकि हड़ताल के मद्देनजर ग्राहकों को राहत देने के लिए रविवार को भी संबंधित बैंक शाखाओं में सामान्य दिनों की तरह कामकाज हुआ। पूरे दिन में करीब 300 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। हड़ताल टलने से जिले की 217 शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होंगी और करोड़ों रुपये के लेनदेन पर पड़ने वाला संभावित असर भी टल गया है। बैंक कर्मचारी सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने वाले थे।

कई इलाकों में सड़कें जलमग्न

बारिश के कारण सुदामापुरी, विष्णुपुरी, कुलदीप विहार, इकरा कॉलोनी और समद रोड समेत प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर 28, 29 और 30 सितंबर को हड़ताल प्रस्तावित थी। लीड बैंक मैनेजर अशोक कुमार सोनी ने बताया कि जिले की 217 शाखाओं में ग्रामीण बैंक की 74, केनरा बैंक की 45, भारतीय स्टेट बैंक की 44, पंजाब नेशनल बैंक की 39 और बैंक ऑफ बड़ौदा की 15 शाखाएं शामिल हैं। इन शाखाओं में प्रतिदिन औसतन करीब 300 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। अगर हड़ताल होती तो तीन दिनों में करीब 900 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित होने का अनुमान था।

हालांकि निजी क्षेत्र के बैंक प्रस्तावित हड़ताल में शामिल नहीं थे। अलीगढ़ जिला सहकारी बैंक के अलावा जिले में ऐसी करीब 139 शाखाएं हैं, जहां ग्राहकों को नियमित बैंकिंग सेवाएं मिलती रहतीं।

बोले ग्राहक ...

छुट्टी के दिन शाखा खुलने से हड़ताल से पहले जरूरी काम निपटाने का मौका मिल गया।
-कुलदीप सिंह।

हड़ताल की घोषणा को देखते हुए रविवार को ही जरूरी काम निपटा लिए।
-उमेश कुमार सिंह।

चेक जमा करना था और नकदी भी निकालनी थी। रविवार को दोनों काम आसानी से हो गए।
-अमित कुमार राघव।

बच्चे की स्कूल की फीस भरनी थी, आखिरी तारीख है। गनीमत रही भीड़ कम थी, काम हो गया।
- प्रदीप कुमार सिंह

57,881 करोड़ पहुंचा कारोबार

जिले के सभी बैंकों का टर्नओवर चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 57,881 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। पहली तिमाही 30 जून को पूरी हुई है। बैंकों का टर्नओवर हर साल चार हजार करोड़ रुपये तक बढ़ रहा है। हर तिमाही इसमें लगभग डेढ़ हजार करोड़ रुपये की अच्छी बढ़त हो रही है।

एएमयू छात्रसंघ चुनाव: सड़क पर उतरे छात्र-छात्राएं, निकाला विरोध मार्च, यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

निलंबित छात्र यासिर फहद 21 सितंबर से भूख हड़ताल पर हैं। सात दिन में उनका चार किलो वजन घटकर 67 से 63 किलो हो गया है। आंदोलन को जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति का समर्थन मिल गया है, उन्होंने कहा कि 2018-19 के बाद एएमयू में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुआ, छात्रों की मांग सुनी जानी चाहिए। एएमयू में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन रविवार को परिसर की सड़कों तक पहुंच गया। छात्रों ने अल्लामा इकबाल हॉल से डक पॉन्ड तक विरोध मार्च निकाला। यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मार्च के डक पॉन्ड पहुंचने के बाद आंदोलन में छात्राओं की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। छात्राएं धरने पर बैठ गईं और छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। डक पॉन्ड पर छात्राओं ने जमीन पर वी वांट एएमयू एसयू और या डेथ लिखकर विरोध दर्ज कराया। छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर एमए उर्दू प्रथम वर्ष के छात्र यासिर फहद 21 सितंबर से भूख हड़ताल पर हैं। रविवार को उनके आंदोलन को समर्थन देने के लिए छात्राएं डक पॉन्ड पहुंचीं।

सात दिन में यासिर का वजन चार किलो घटा

भूख हड़ताल बैठे छात्र यासिर फहद का वजन सात दिन में चार किलो कम हो गया है। यासिर ने बताया कि 21 सितंबर को भूख हड़ताल शुरू करते समय उनका वजन 67 किलो था, जबकि 27 सितंबर को सातवें दिन वजन 63 किलो रह गया।

जेएनयू छात्रसंघ का मिला समर्थन

आंदोलन को अब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली छात्रसंघ का भी समर्थन मिला है। जेएनयू छात्रसंघ की अध्यक्ष अदिति ने आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि वह एएमयू छात्रों के साथ हैं। अदिति ने कहा कि एएमयू में 2018-19 के बाद छात्रसंघ चुनाव नहीं हुआ। छात्रों की मांग को दबाने के बजाय उनकी बात सुनी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जेएनयू छात्रसंघ एएमयू के छात्रों के साथ खड़ा है।

Aligarh News: बारिश के बाद रातभर रही बिजली गुल, उपभोक्ता रहे परेशान

शहर में शनिवार को हुई बारिश के बाद रविवार दोपहर तक बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेपटरी रही। अलग-अलग इलाकों से बिजली गुल होने, लो वोल्टेज, एक फेज न आने और बार-बार ट्रिपिंग की शिकायतें सामने आईं। रामबाग कॉलोनी में रात करीब 11 बजे से बिजली गुल होने की शिकायत मिली। रावण टीला, जवाहर नगर, प्रकाश नगर गली नंबर सात, कृष्णापुरी-मठिया, तुर्कमान गेट, ख्वाजा चौक, क्वार्सी की आनंद विहार कॉलोनी, भुजपुरा-कमेला रोड, रघुवीरपुरी, जवाहर नगर से भी बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायतें आईं। वैशालीपुरम, ऐलमपुर और सारसौल में उपभोक्ताओं ने लो वोल्टेज आने की शिकायत की। नौरंगाबाद शहर फीडर, गांधी पार्क से आगे और गंभीरपुरा क्षेत्र में भी वोल्टेज की समस्या सामने आई। लोधीपुरम, सासनी गेट में एक फेज नहीं आने और कृष्णापुरी में उपभोक्ताओं ने बार-बार ट्रिपिंग की शिकायत की। जमालपुर सब स्टेशन क्षेत्र के धौर्रा माफी में सुबह से बिजली बार-बार आने-गुल होने की शिकायत देर शाम तक जारी रही। अधीक्षण अभियंता शहरी अंशुमान यादव ने बताया कि बारिश के चलते कई इलाकों में फॉल्ट आए थे, जिन्हें टीमें भेजकर सही कराया गया और आपूर्ति को बहाल कराया गया।

Aligarh News: मिट्टी से ऐसे बर्तन बनाए, जो देखे देखता ही रह जाए

शहरी मदनगढ़ी गांव के राहुल कुमार ने अपने कारखाने में माटी कला को आधुनिक तकनीक से जोड़ दिया है। वे मिट्टी से 19 से अधिक प्रकार के बर्तन और सजावटी सामान बना रहे हैं। इनमें प्रेशर कुकर, तवा, कड़ाही, डिनर सेट, पानी की इको-फ्रेंडली बोतलें, गिलास, चाउमीन प्लेट एवं लस्सी के गिलास शामिल हैं। यह इतने खूबसूरत दिखते हैं कि जो देखे वो देखता ही रह जाए। उनका नवाचार केवल इन बर्तनों तक सीमित नहीं है। उन्होंने मशीनों की मदद से गोबर से लंबे कंडे, लट्ठे तैयार किए हैं। पगमिल सहित अन्य मशीनों में आवश्यक बदलाव कर वे लगभग तीन-तीन फीट लंबे लट्ठे तैयार करते हैं, जिनका उपयोग मिट्टी के बर्तनों को पकाने के लिए ईंधन के रूप में करते हैं। इससे उत्पादन लागत कम रहती है। इन कंडों और लट्ठों की मांग बाजारों में भी है, जिससे अतिरिक्त आय होती है। वे बताते हैं कि माटी कला बोर्ड ने उनके हुनर को व्यवसाय का रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अकेले राहुल ही नहीं साधु आश्रम के अनुज, क्वार्सी के दो सगे भाई प्रेमचंद और नीरज के कामकाज में बदलाव आया है। पहले यह तीनों लोग अपने पुश्तैनी काम को कर रहे थे, अब आधुनिक ई-चॉक ने इनका काम बहुत आसान कर दिया है। रोजाना सैकड़ों चाय के कुल्हड़ और लस्सी के कुल्हड़ बनाकर यह शहर की दुकानों में भेजते हैं जिससे इनकी आय बढ़ रही है।

राहुल के नवाचार में विभाग ने पूरा सहयोग किया है। अनुज, नीरज और प्रेमचंद को सवा तीन लाख रुपये के अलग-अलग लोन दिए गए हैं। इन्हें ई-चॉक भी दी गई है। माटीकला रोजगार योजना में 10 लाख रुपये तक का लोन दिलवाया जाता है, इसमें 25 फीसदी का अनुदान मिलता है। 25 युवाओं को ई-चाक और पांच को पगमिल दी गई है।

-साजिदा बेगम, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी।

Aligarh News: एक नाव के भरोसे दस गांव... 30 हजार जिंदगियां

अकराबाद के कौड़ियागंज इलाके में काली नदी किनारे बसे 10 गांव में करीब 30 हजार की आबादी रहती है। इन गांवों में रहने वालों के जीवन-यापन के लिए हर जरूरी चीज काली नदी के पार मिलती है। नदी पार करने के लिए इन लोगों के पास सबसे नजदीकी साधन एक नाव है। ये सिर्फ नाव नहीं... यहां के लोगों के लिए ये स्कूली वाहन, एंबुलेंस और जन परिवहन का साधन भी है। ये कहानी है जिला मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर कौड़ियागंज इलाके की। काली नदी इस क्षेत्र से होकर बहती है। नदी के एक तरफ कौड़ियागंज का समृद्ध बाजार, अच्छे स्कूल-कॉलेज, चिकित्सक, अस्पताल, बैंक हैं। दूसरी तरफ अलहैदापुर, पहाड़ीपुर, सिकंदरपुर, दतावली, परौरा, चांदगढ़ी, लैदापुर, सामंती का नगला, कुशावली, मूलहर जैसे गांव हैं जहां करीब 30 हजार लोग बसते हैं। इन गांवों की तरफ सड़क मार्ग से सबसे नजदीकी बाजार बरला क्षेत्र में पड़ता है, जो करीब 10-12 किमी दूर है। ऐसे में यहां के लोगों को राशन, बर्तन, कपड़े, दवा, इलाज, बैंक संबंधी काम के लिए कौड़ियागंज आना पड़ता है। दिन हो या रात, सामान्य जरूरत हो या आपातकालीन, सभी की पूर्ति कौड़ियागंज बाजार से ही होती है।

इसीलिए नाव है यहां की जीवनरेखा

काली नदी पार करने के दो ही तरीके हैं। एक, करीब छह किमी दूर छर्रा में मौजूद पुल। इस पुल से कौड़ियागंज पहुंचने के लिए करीब 12 किमी का चक्कर लगाना पड़ता है। दूसरा, काली नदी में नगर पंचायत की ओर से संचालित एक नाव, जिससे बाजार पहुंचने में बमुश्किल एक किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसे में यह नाव नदी के एक ओर बसे 10 गांव वालों की जीवनरेखा है।

दिन हो या रात, रहता हूं तैयार

नाव का संचालन करने वाले महावीर कहते हैं कि मेरे काम का कोई समय नहीं। सुबह से शाम ढलने तक नाव पर ही रहता हूं। लोगों को इधर से उधर ले जाता हूं। सबके पास मेरा मोबाइल नंबर है। रात में कोई बीमार पड़े तो लोग फोन करके बुला लेते हैं। मैं अपने परिवार की चौथी पीढ़ी से हूं जिसके पास ये जिम्मेदारी है। छुट्टी लेनी हो तो परिवार के किसी सदस्य को ये जिम्मेदारी सौंप कर जाना पड़ता है क्योंकि नाव एक दिन भी बंद नहीं हो सकती। पढ़ना है तो उस पार जाना पड़ेगा नाव पर बाइक और दो बच्चों के साथ कौड़ियागंज की ओर पहुंचे विवेक कहते हैं कि हमारे गांव की ओर प्राथमिक विद्यालय ही है। जूनियर हाईस्कूल या ऊपर की पढ़ाई के लिए सारे बच्चे रोज नाव से ही कौड़ियागंज आते-जाते हैं। हमारी तरफ ऐसे विद्यालय काफी दूर पड़ते हैं।

जो पिता ने झेला, वही मैं झेल रहा हूं

चांदगढ़ी से नाव के सहारे कौड़ियागंज पहुंचे बुजुर्ग भोजराज बताते हैं कि मेरी उम्र हो गई। मेरे पिता ने जो झेला वही मैं भी झेल रहा हूं। हमारी तरफ शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जो दिन में दो-चार चक्कर कौड़ियागंज का न लगाता हो। सबके लिए नाव ही सहारा है। नाव ही हमारे लिए एंबुलेंस है अलहैदपुर निवासी रामवीर सिंह नाव से उतरते ही बोल पड़े कि हमारी तरफ कोई बीमार पड़ जाए तो हम एंबुलेंस नहीं बुलाते। ये नाव ही हमारी एंबुलेंस हैं। मरीज को किसी तरह टांग कर नदी किनारे तक लाते हैं। नाव से कौड़ियागंज के डॉक्टरों के पास ले जाते हैं।

बाढ़ के समय बढ़ती है परेशानी

कौड़ियागंज के बलवीर सिंह बताते हैं कि गर्मी के दिनों में काली नदी की चौड़ाई 30 मीटर तक रह जाती है। बरसात और बाढ़ के समय इसकी चौड़ाई 500 मीटर या इससे भी ज्यादा होती है। तब नाव संचालन में खतरा रहता है। नदी में मगरमच्छों की भरमार है।

Aligarh News: दोबारा लापता हुई किशोरी, दो युवकों पर आरोप

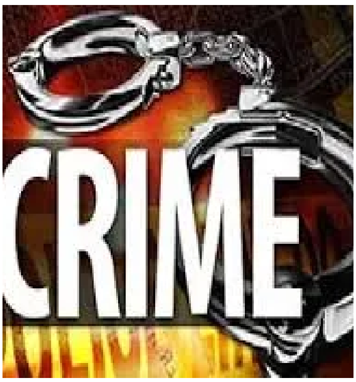

कोतवाली नगर क्षेत्र से एक 15 साल की किशोरी दोबारा से लापता हो गई। किशोरी की मां ने मोहल्ले के ही दो युवकों पर बेटी को गायब करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी पहली बार 14 दिसंबर 2025 को भुजपुरा चौराहे से गायब हुई थी। आरोप था कि नूर मोहम्मद और गुलफाम ने उसे बहला-फुसलाकर अहमदगढ़, बुलंदशहर के आरिफ को बेच दिया था। वह पुलिस को आरिफ के घर में मिली थी। इस मामले में आरिफ जेल गया था, जो अब जमानत पर जेल से बाहर है।

24 अगस्त की रात करीब 10 बजे किशोरी ने घर में झगड़ा किया, चाकू से हमला करने की कोशिश की और रोकने पर 15 हजार रुपये, एक अंगूठी और कपड़े लेकर निकल गई। पता चला कि उस रात वह भुजपुरा के ही मुस्ताक के घर रुकी थी। इसके बाद मुस्ताक और नूर मोहम्मद ने मिलकर रंजिश के चलते किशोरी को फिर से गायब कर दिया। सीओ प्रथम संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

चार दिन के बाद प्रदेश में थमी बारिश

यूपी हुआ पानी-पानी

प्रदेश में बृहस्पतिवार शाम से जारी भारी बारिश से रविवार को भी कई जगह मकान-दीवार, पेड़ गिरने से 33 लोगों की मौत हो गई। शनिवार को बारिश के बीच हुए हादसों में प्रदेश में 58 लोगों की मौत हुई थी। रविवार को भी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। जलभराव व ठप हुई बिजली आपूर्ति ने लोगों के लिए संकट खड़ा कर दिया। नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से तटवर्ती इलाकों पर बाढ़ का खतरा गहरा गया। रविवार को बारिश थमने के साथ मौसम विभाग ने सोमवार के लिए कहीं भी भारी बारिश की चेतावनी जारी नहीं की है। रविवार को अवध के अलग-अलग जिलों में हुए हादसों में 11 लोगों की मौत हो गई। सीतापुर में तीन, बलरामपुर में तीन तथा श्रावस्ती, बहराइच, अमेठी, बाराबंकी और गोंडा में एक-एक व्यक्ति की जान गई। मकान गिरने से रामपुर में दो और संभल में एक की मौत हुई है। रामपुर में बारिश का पानी निकालते समय करंट लगने से एक महिला की जान चली गई। हरदोई, फर्रुखाबाद में तीन-तीन, कानपुर देहात में दो और उन्नाव में एक की मौत हुई है। बरेली में छह व प्रतापगढ़ में दो महिलाओं व बेवर में दीवार गिरने से किसान की मौत हो गई। बारिश और प्रतिकूल मौसम को देखते हुए योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को तेज कर दिया है। आंधी-बारिश से प्रदेश में 1021 मकान क्षतिग्रस्त होने पर प्रशासन मदद उपलब्ध कराने में जुटा है। राहत आयुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोद ने रविवार को जिलाधिकारियों और अपर जिलाधिकारियों के साथ राहत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद करने के निर्देश दिए। फसल क्षति का सर्वेक्षण और आकलन कर सहायता देने के निर्देश दिए।बंगाल की खाड़ी में बना मौसम तंत्र कमजोर पड़ने से सोमवार से बारिश की गतिविधियां घटेंगी। कहीं-कहीं छिटपुट बूंदाबांदी ही हो सकती है। मंगलवार तक पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में हल्की बारिश के आसार हैं। इसके बाद मौसम के साफ होने के साथ दिन के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होगी। बारिश और हवाओं की रफ्तार कम होने के साथ अगले एक सप्ताह में अधिकतम तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। - अतुल कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र गोंडा में आज भी बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज लगातार बारिश के कारण आवागमन व बिजली की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन ने सोमवार को भी जिले में नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी स्कूल-कॉलेज बंद रखने के आदेश दिए हैं। बीएसए और डीआईओएस को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। डीआईओएस डॉ. रामचंद्र ने बताया कि सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों को आदेश का पालन करने को कहा गया है। सोमवार को स्कूलों में पठन-पाठन नहीं होगा।

थप्पड़कांड पर सियासत

केजरीवाल समेत 'आप' नेताओं ने भाजपा को घेरा

दिल्ली के तिलक नगर में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा द्वारा आप कार्यकर्ता को थप्पड़ मारे जाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। साहिब सिंह वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार देर शाम प्रदर्शन किया। वहीं, कांग्रेस ने भी भाजपा पर हमला बोला है।तिलक नगर में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क की गुणवत्ता जांचने पहुंचे पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और आप विधायक जरनैल सिंह आमने-सामने आ गए। रविवार को सड़क की जांच के दौरान उस समय विवाद बढ़ गया, जब आप विधायक के साथ पहुंचे वीडियोग्राफर ने वीडियो बनाना शुरू किया। आरोप है कि इसी दौरान मंत्री ने युवक को थप्पड़ मार दिया। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार देर शाम प्रदर्शन किया। आप प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक जनरैल सिंह और विधायक कुलदीप कुमार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता डीसीपी कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। सड़क पर प्रदर्शन करने पर पुलिस ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया।पीडब्ल्यूडी की ओर से तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र में जिला सेंटर से केशवपुरम सब्जी मंडी तक सड़क का निर्माण कराया गया है। शनिवार को सड़क का उद्घाटन किया था। अगले ही दिन सड़क की गुणवत्ता को लेकर आप विधायक जरनैल सिंह ने सवाल उठाते हुए वीडियो जारी किया। इसमें आप विधायक ने सड़क की गुणवत्ता खराब होने और भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया था।विधायक जरनैल सिंह के मुताबिक, रविवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने उन्हें फोन कर मौके पर बुलाया और सड़क की गुणवत्ता की जांच करने की बात कही। विधायक अपने समर्थकों और वीडियोग्राफरों के साथ मौके पर पहुंचे। विधायक के सोशल मीडिया हैंडल के लिए वीडियो बनाने वाले युवक भी मौके पर मौजूद थे। युवक के मुताबिक, वह मंत्री के सामने पूरी कार्वाई को कैमरे में रिकॉर्ड कर रहा था। इसी दौरान कथित तौर पर मंत्री ने उसे थप्पड़ मार दिया।

द्वारका में 120 करोड़ से बनेगा दिल्ली स्टेट गेस्ट हाउस, वीवीआईपी सुविधा

दिल्ली पर्यटन एवं यातायात विकास निगम (डीटीटीडीसी) ने द्वारका सेक्टर-19 में प्लॉट नंबर-5 पर करीब 119.70 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस बहुमंजिला अतिथिशाला के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है।राजधानी में अन्य राज्यों के भवनों की तर्ज पर अब दिल्ली सरकार का अपना पहला भव्य स्टेट गेस्ट हाउस 'दिल्ली सदन' आकार लेने जा रहा है। दिल्ली पर्यटन एवं यातायात विकास निगम (डीटीटीडीसी) ने द्वारका सेक्टर-19 में प्लॉट नंबर-5 पर करीब 119.70 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस बहुमंजिला अतिथिशाला के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है।इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर बनने वाले इस परिसर का निर्माण 21 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। इसमें तीन महीने प्लानिंग और डिजाइनिंग तथा 18 महीने निर्माण के लिए निर्धारित हैं। दिल्ली सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले राजकीय अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों, वीवीआईपी प्रतिनिधिमंडलों और वरिष्ठ अधिकारियों को एक ही परिसर में आवास, आतिथ्य, सम्मेलन और खानपान की सुविधाएं उपलब्ध कराना है।दिल्ली सरकार के पास अब तक बिहार सदन, मणिपुर सदन और कर्नाटक भवन की तर्ज पर अपना समर्पित स्टेट गेस्ट हाउस नहीं था। द्वारका सेक्टर-19 में बिहार सदन और मणिपुर सदन के पास बनने वाला दिल्ली सदन इस कमी को पूरा करेगा। डीटीटीडीसी ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) मोड में निर्माण एजेंसी के चयन की प्रक्रिया में जुटा है।

एक एकड़ में बनेगी 10 मंजिला इमारत

दिल्ली सदन का निर्माण 3,899.42 वर्गमीटर यानी करीब एक एकड़ के भूखंड पर किया जाएगा। इसका कुल निर्मित क्षेत्र 15,984 वर्गमीटर होगा। इसमें मुख्य भवन का क्षेत्रफल 11,078 वर्गमीटर और दो बेसमेंट का क्षेत्रफल 4,906 वर्गमीटर निर्धारित किया गया है। भवन में दो बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर, अपर ग्राउंड फ्लोर, सर्विस फ्लोर, पोडियम लेवल, छह ऊपरी मंजिलें और टेरेस फ्लोर होगा। इमारत की ऊंचाई करीब 45 मीटर होगी।
ग्राउंड फ्लोर पर भव्य लॉबी, स्वागत कक्ष, 96 वर्गमीटर का प्रशासनिक कार्यालय और सुरक्षा नियंत्रण कक्ष बनाया जाएगा। अपर ग्राउंड फ्लोर पर कॉन्फ्रेंस हॉल और मीटिंग रूम होंगे। पोडियम लेवल पर क्राफ्ट बाजार, फूड कोर्ट और ओपन प्लाजा विकसित किया जाएगा। छत पर रूफटॉप कैफे और गार्डन की सुविधा भी होगी।

वीवीआईपी सूट से डॉर्मिटरी और ईवी पार्किंग तक की सुविधा

दिल्ली सदन में अतिथियों के ठहरने के लिए कुल 44 प्रीमियम कमरे, सूट और 32 बेड की डॉर्मिटरी बनाई जाएगी। दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर 36 सुसज्जित गेस्ट रूम होंगे। इनमें दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित कमरे भी शामिल होंगे। पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग लॉकर और प्रसाधन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। दो मंजिला बेसमेंट में 72 कारों की पार्किंग होगी। इसमें 20 प्रतिशत यानी 14 ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इमारत के करीब 10,048 वर्गमीटर क्षेत्र में प्रीमियम इटैलियन मार्बल और उच्च गुणवत्ता वाली इंटीरियर फिनिश का इस्तेमाल किया जाएगा।

500 वर्गमीटर का हॉल और 150 सीटर फूड कोर्ट

अपर ग्राउंड फ्लोर पर 45 व्यक्तियों की क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल बनेगा, जिसमें अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल और अनुवाद प्रणाली होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों के लिए 500 वर्गमीटर का पिलर-फ्री मल्टीपर्पस हॉल भी बनाया जाएगा। पोडियम और ग्राउंड लेवल पर 150 लोगों की क्षमता वाला डाइनिंग हॉल, फूड कोर्ट और आधुनिक किचन विकसित किए जाएंगे। दिल्ली के हस्तशिल्प और व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए विशेष क्राफ्ट बाजार भी बनाया जाएगा।

सितंबर की ठंड ने तोड़ा 24 साल का रिकॉर्ड

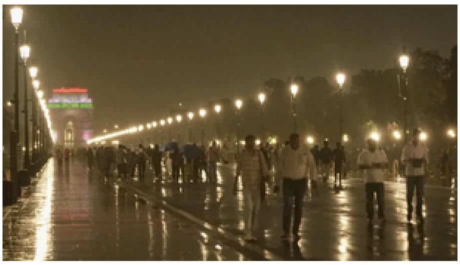

राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह मौसम ने रिकॉर्ड बना दिया। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, यह 2001 के बाद सितंबर महीने में दूसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान है। रविवार शाम को भी हल्की बारिश ने मौसम सुहावना कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को बादलों की आवाजाही रहेगी लेकिन बारिश के आसार नहीं हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को दिल्ली में बारिश के तीन से चार दौर चले। पूरे दिन 30 से 50 किलोमीटर तक हवाएं चलती रहीं। इस दौरान सफदरजंग में 4.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके असर से रविवार को भोर में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार वर्ष 2001 के बाद सितंबर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6 सितंबर 2008 को 20.8 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं, तीसरा सबसे कम तापमान 19 सितंबर 2024 को 21.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। इस लिहाज से इस साल 27 सितंबर का 21.0 डिग्री दूसरा सबसे ठंडा सितंबर का दिन बन गया है।

अधिकतम तापमान भी सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस कम रहा

रविवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में ही 1.4 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। यह सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में तापमान में 2.2 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। वहीं, यह सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

मौसम विभाग के अनुसार वर्ष 2001 के बाद सितंबर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6 सितंबर 2008 को 20.8 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं, तीसरा सबसे कम तापमान 19 सितंबर 2024 को 21.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। इस लिहाज से इस साल 27 सितंबर का 21.0 डिग्री दूसरा सबसे ठंडा सितंबर का दिन बन गया है।

अधिकतम तापमान भी सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस कम रहा
रविवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में ही 1.4 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। यह सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में तापमान में 2.2 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। वहीं, यह सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

दो दिनों तक गर्मी से रहेगी राहत
मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को भी बादल छाए रहेंगे। अगले दो दिनों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री के बीच रहेगा।

राज्य दर्जे की बहाली पर सुप्रीम कोर्ट

जहूर अहमद भट बनाम भारत संघ के इस मामले में इससे पहले पिछले वर्ष 10 अक्तूबर को सुनवाई हुई थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल को याचिकाकर्ताओं की दलीलों का जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया था।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हो सकती है। जहूर अहमद भट बनाम भारत संघ के इस मामले में इससे पहले पिछले वर्ष 10 अक्तूबर को सुनवाई हुई थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल को याचिकाकर्ताओं की दलीलों का जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया था कि केंद्र के सॉलिसिटर जनरल ने अदालत की संविधान पीठ के सामने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिए जाने के संबंध में बयान दिया था।
मामले में कोर्ट के एक जज की ओर से पारित आदेश का हवाला देते हुए कहा गया था कि विधानसभा चुनाव होने के बाद राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि उमर अब्दुल्ला सरकार की कैबिनेट ने 18 अक्तूबर 2024 को एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से राज्य का दर्जा बहाल करने का अनुरोध किया है। सॉलिसिटर जनरल ने इस पर कहा था कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं और एक चुनी हुई सरकार का गठन हो चुका है। पिछले छह वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर ने काफी प्रगति की है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय लेने से पहले पहलगाम जैसी कुछ हालिया घटनाओं पर भी विचार करना होगा। फिलहाल, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और केंद्र सरकार इस मामले में बातचीत कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने याचिकाकर्ताओं के वकीलों की दलीलों का जवाब देने के लिए कुछ और समय मांगा था। इस पर पीठ ने उन्हें चार सप्ताह का समय देते हुए मामले को चार सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए थे।

भारतीय दवा कंपनियों को अमेरिका से बड़ी राहत: चुनिंदा दवाओं पर नहीं लगेगा टैरिफ, जानिए क्यों अहम है यह फैसला

अमेरिका ने भारत की चुनिंदा दवाओं और दवा बनाने वाली सामग्री को जीरो टैरिफ वाली सूची में शामिल किया है। इसमें ऑरफन ड्रग्स, फर्टिलिटी दवाएं, सेल और जीन थेरेपी जैसी दवाएं शामिल हैं। इस फैसले से भारतीय फार्मा कंपनियों राहत मिल सकती है।

भारत से अमेरिका भेजी जाने वाली कुछ खास दवाओं और दवा बनाने वाले कच्चे माल पर अब जीरो अमेरिकी टैरिफ लागू होगा। इससे अमेरिका को दवाएं सप्लाई करने वाले भारत के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत मिल सकती है।

क्या हर प्रोडक्ट पर लागू होगा?

यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट ने यह लिस्ट तब जारी की है जब वॉशिंगटन 29 सितंबर से कुछ पेटेंटेड फार्मास्युटिकल इंपोर्ट और उनसे जुड़ी सामग्री पर 100% टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। यह छूट भारत से भेजे जाने वाले हर फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट पर लागू नहीं होती है। यह अप्रैल में जारी राष्ट्रपति के आदेश में बताई गई खास दवाओं और सामग्री पर लागू होती है।

इसमें कौन-कौन से प्रोडक्ट शामिल हैं?

योग्य प्रोडक्ट्स में ऑरफन ड्रग्स, न्यूक्लियर दवाएं, प्लाज्मा से बनी थेरेपी, फर्टिलिटी दवाएं, सेल थेरेपी, जीन थेरेपी और एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स शामिल हैं। इस लिस्ट में केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर खतरों से जुड़े मेडिकल काउंटरमेजर और जानवरों की सेहत से जुड़े कुछ प्रोडक्ट्स भी शामिल हैं।

लिस्ट में भारत के साथ और कौन से देश शामिल हैं?

भारत को अर्जेंटीना, बांग्लादेश, कंबोडिया, इक्वाडोर, अल साल्वाडोर, यूरोपीय संघ, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, जापान, जॉर्डन, मलेशिया, नॉर्थ मैसेडोनिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और लिकटेंस्टीन, ताइवान, थाईलैंड, ब्रिटेन और वियतनाम के साथ लिस्ट में शामिल किया गया था।

नोटिस में क्या कहा गया है?

नोटिस में कहा गया है कि इन जगहों से आने वाले योग्य प्रोडक्ट्स पर जीरो प्रतिशत टैरिफ लग सकता है क्योंकि अमेरिका के साथ उनका मौजूदा या भविष्य का ट्रेड और सिक्योरिटी फ्रेमवर्क एग्रीमेंट है। ये छूट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अप्रैल के उस आदेश को लागू करने का हिस्सा हैं, जिसमें ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट की धारा 232 के तहत फार्मास्युटिकल्स और फार्मास्युटिकल सामग्री के इंपोर्ट में बदलाव किया गया था।

इस आदेश के तहत कुछ खास पेटेंट वाली दवाओं और उनके इंग्रीडिएंट्स पर 100% टैरिफ लगाया गया। यह आदेश एक लिस्ट में शामिल कंपनियों के लिए 31 जुलाई से लागू हुआ और बाकी कंपनियों पर 29 सितंबर से लागू होगा।

कॉमर्स डिपार्टमेंट के नोटिस के मुताबिक, जेनेरिक दवाओं और उनसे जुड़े इंग्रीडिएंट्स पर सेक्शन 232 के तहत दवा टैरिफ लागू नहीं होता है। यह अंतर भारत के लिए अहम है। अमेरिका को होने वाले भारतीय दवा एक्सपोर्ट का एक बड़ा हिस्सा जेनेरिक दवाओं का है, हालांकि भारतीय कंपनियां पेटेंट वाली दवाएं, एक्टिव इंग्रीडिएंट्स और खास तरह की थेरेपी वाली दवाएं भी बनाती हैं।

इस फैसले का भारत पर क्या पड़ेगा असर?

इस फैसले से भारतीय मैन्युफैक्चरर्स को योग्य और महंगी थेरेपी वाली दवाओं के लिए बिना ड्यूटी के एक्सेस बनाए रखने का एक साफ रास्ता मिलता है, जबकि वॉशिंगटन अमेरिका के अंदर दवा बनाने को बढ़ावा देने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल कर रहा है। भारत दुनिया में जेनेरिक दवाओं के सबसे बड़े मैन्युफैक्चरर्स में से एक है। इसके साथ ही अमेरिकी हेल्थकेयर सिस्टम के लिए एक अहम सप्लायर है। भारतीय कंपनियां एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स और तैयार दवाएं भी सप्लाई करती हैं जिनका इस्तेमाल अमेरिकी अस्पताल, फार्मेसी और मरीज करते हैं।

इस वजह से दवा का व्यापार भारत-अमेरिका के व्यापक आर्थिक रिश्तों का एक अहम हिस्सा बन गया है। खास दवाओं के लिए मिली सीमित छूट कुछ हेल्थ प्रोडक्ट्स को बचाती है, जबकि घरेलू स्तर पर दवा बनाने को बढ़ावा देने की वॉशिंगटन की व्यापक कोशिश भी जारी रहती है।

ईरान की खुफिया जानकारी पर थी नजर: आईआरजीसी ने समुद्र से पकड़ा अमेरिकी जासूस, वीडियो शेयर कर क्या कहा?

ईरान की आईआरजीसी नौसेना ने दावा किया है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी रेमस 600 मानवरहित अंडरवॉटर वाहन को पकड़ लिया है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, उपकरण का इस्तेमाल जासूसी के लिए किया जा रहा था और अब विशेषज्ञ इसके डेटा का विश्लेषण करेंगे।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका का दूसरा अत्याधुनिक मानवरहित अंडरवॉटर व्हीकल रेमस 600 पकड़ लिया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी की रविवार को प्रसारित रिपोर्ट के मुताबिक, यह अभियान ईरानी सैन्य अधिकारियों ने रणनीतिक जलमार्ग में सक्रिय "अमेरिकी आतंकवादी सेना की दूसरी सबमरीन" के खिलाफ चलाया गया।

आईआरजीसी ने कहा कि यह कार्रवाई सैन्य खुफिया और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं से जुड़े "समन्वित और जटिल अभियान" के जरिए की गई। बयान में कहा गया, "सर्वशक्तिमान ईश्वर की मदद से आईआरजीसी नौसेना के जवानों ने खुफिया और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के साथ एक समन्वित और जटिल अभियान के जरिए अमेरिकी आतंकवादी सेना के एक अत्याधुनिक यूएवी को फंसा लिया, जो जासूसी के उद्देश्य से होर्मुज जलडमरूमध्य में सक्रिय था।"

आईआरजीसी ने कैसे पकड़ा अमेरिका का जासूस?

आईआरजीसी नौसेना ने पकड़े गए उपकरण की पहचान रेमस 600 के रूप में की है। यह एक स्वायत्त मानवरहित अंडरवॉटर वाहन है। ईरानी अधिकारियों का आरोप है कि इसका इस्तेमाल जलडमरूमध्य के भीतर जासूसी अभियान के लिए किया जा रहा था।

बयान में कहा गया, "यह सबमर्सिबल रेमस 600 नाम का एक बुद्धिमान और अत्याधुनिक सबमर्सिबल है, जिसे आईआरजीसी नौसेना ने पकड़ लिया है और अब यह बल के विशेषज्ञों के हाथ में है, जो इसकी जानकारी हासिल करेंगे।" आईआरआईबी के मुताबिक, पकड़े गए वाहन को विशेषज्ञ सैन्य तकनीशियनों को सौंप दिया गया है। ये तकनीशियन सिस्टम का विश्लेषण करेंगे और उसमें मौजूद डेटा हासिल करेंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान का कड़ा रुख

आईआरजीसी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात को लेकर अपना रुख दोहराते हुए कहा कि जलमार्ग बंद है। उसने यह भी चेतावनी दी कि अनधिकृत यातायात के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। बयान में कहा गया, "आईआरजीसी नौसेना दृढ़ता से घोषणा करती है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और हम होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए खतरनाक गतिविधियों और अनधिकृत यातायात के खिलाफ मजबूत और लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।"

ईरान ने पीछे नहीं हटने का संकेत दिया

यह दावा ऐसे समय आया है जब ईरानी नेता अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी टकराव में पीछे नहीं हटने का संकेत दे रहे हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने रविवार को कहा कि तेहरान अपने रुख पर कायम रहेगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के युद्धविराम और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से लौटने के बाद एयरपोर्ट पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए पेजेश्कियान ने कहा था, "हम मजबूती के साथ डटे हुए हैं, हम अपने लोगों की सेवा में हैं, हम अपनी आखिरी सांस तक खड़े रहेंगे और हम वादा करते हैं कि जब तक हमारे शरीर में जीवन है, हम लोगों के ईमानदार सेवक बने रहेंगे; आपने हमें शर्मिंदा किया है, मैं खुद को आपकी मौजूदगी के योग्य नहीं मानता, मैं आपका सेवक हूं।"

ईरान ने रखा था सात दिन में युद्धविराम लागू करने का प्रस्ताव

पेजेश्कियान और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची इससे पहले विश्व नेताओं की संयुक्त राष्ट्र बैठक में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका गए थे। वहां तेहरान ने लड़ाई खत्म करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के उद्देश्य से सात दिन का रोडमैप प्रस्तावित किया था।

प्रस्ताव के तहत अमेरिका को ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी हटानी थी, ईरान के तेल निर्यात पर प्रतिबंधों में छूट देनी थी और अनुमानित 12 अरब डॉलर की जमा ईरानी संपत्तियों को जारी करना था। इसके साथ ही पूरे क्षेत्र, जिसमें लेबनान और यमन भी शामिल हैं, में युद्धविराम लागू करना था।

इसके बदले ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलता। सातवें दिन तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू की जानी थी। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

एआई पर बढ़ी चिंता: बिल गेट्स ने दी चेतावनी, कहा- अरबों लोगों की ले सकता है जान; आखिर कैसे मच सकती है तबाही?

बिल गेट्स ने एआई के खतरनाक इस्तेमाल को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में एआई इतना शक्तिशाली हो सकता है कि इसका गलत इस्तेमाल बड़े हमलों और भारी तबाही का कारण बन सकता है। गेट्स ने एआई कंपनियों पर केवल भरोसा करने के बजाय सरकारों से कड़े सुरक्षा नियम बनाने की मांग की।

माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ऐसी घटनाओं की वजह बन सकता है जिनसे एक अरब लोगों की मौत हो सकती है। वॉशिंगटन में इस बात पर तीखी बहस छिड़ गई है कि क्या सरकारों को एडवांस्ड एआई को रेगुलेट करना चाहिए या ऐसे नियमों से बचना चाहिए जो चीन के साथ होड़ में अमेरिका की रफ्तार धीमी कर सकते हैं।

गेट्स ने क्या कहा?

गेट्स ने एनबीसी के प्रोग्राम मीट द प्रेस में कहा, 'यह वाकई में विकास की दिशा में एक बड़ी घटना है। हमने एक ऐसी बुद्धिमान प्रजाति बनाई है जो कई मामलों में हमसे पहले ही ज्यादा स्मार्ट है। आने वाले कुछ वर्षों में तेजी से बेहतर होते हुए यह हमसे कहीं ज्यादा स्मार्ट हो जाएगी।'

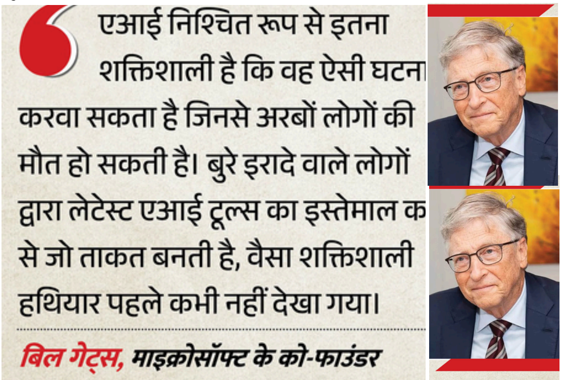

क्या एआई इंसानों का अस्तित्व खत्म कर सकता है?

जब उनसे पूछा गया कि क्या एआई इंसानों का अस्तित्व खत्म कर सकता है, तो गेट्स ने कहा, 'एआई निश्चित रूप से इतना शक्तिशाली है कि वह ऐसी घटनाएं करवा सकता है जिनसे, आप जानते हैं, अरबों लोगों की मौत हो सकती है।'

कैसे मच सकती है तबाही?

उन्होंने आगे कहा, 'बुरे इरादे वाले लोगों द्वारा लेटेस्ट एआई टूल्स का इस्तेमाल करने से जो ताकत बनती है, वैसा शक्तिशाली हथियार पहले कभी नहीं देखा गया।' गेट्स ने कहा कि सरकारों के पास बायोलॉजिकल हमलों, साइबर हमलों और इस टेक्नोलॉजी के दूसरे संभावित इस्तेमाल से जुड़े खतरनाक स्तरों को समझने के लिए जरूरी जानकारी और अनुभव की कमी है। उन्होंने कंपनियों द्वारा अपनी मर्जी से सुरक्षा उपाय अपनाने पर निर्भर रहने की बात को खारिज कर दिया।

गेट्स ने कैसे कानून की मांग की?

गेट्स ने कहा, 'किसी को भी नहीं लगता कि सिर्फ खुद से नियम बनाना (सेल्फ-रेगुलेशन) काफी है।' उन्होंने ऐसे कानून की मांग की जिसमें सुरक्षा उपाय और मॉनिटरिंग सिस्टम जरूरी हों। उन्होंने कहा कि ऐसी जरूरतों से इंडस्ट्री पर कुछ खर्च तो आएगा, लेकिन इससे इसके विकास की रफ्तार बहुत ज्यादा धीमी नहीं होगी। गेट्स ने कहा, 'हर एआई में ये सुरक्षा उपाय और मॉनिटरिंग क्षमताएं होना जरूरी न करना पूरी तरह से गैर-जिम्मेदाराना है।'

उनकी यह चेतावनी तब आई जब कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट प्रतिनिधि रो खन्ना (जिनके संसदीय क्षेत्र में सिलिकॉन वैली का कुछ हिस्सा आता है) ने अमेरिका और चीन के बीच एक ऐसे समझौते की मांग की जिसे वेरिफाई किया जा सके और जो ऐसे एआई सिस्टम पर रोक लगाए जो खुद को स्वतंत्र रूप से बेहतर बनाने में सक्षम हों।

रो खन्ना ने क्या कहा था?

खन्ना ने कहा कि सीनेटर बर्नी सैंडर्स और प्रतिनिधि ग्रेग कैसर के समर्थन वाले कानून से 'रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूविंग एआई' (खुद को बार-बार बेहतर बनाने वाले एआई) पर तब तक रोक लग जाएगी जब तक कि सुरक्षा उपाय लागू नहीं हो जाते।

बता दें कि भारत सार्वजनिक सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा और डिजिटल वाणिज्य में एआई के उपयोग का तेजी से विस्तार कर रहा है। नई दिल्ली ने इस बात पर भी जोर दिया है कि एआई प्रशासन को विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में नवाचार को बाधित किए बिना सुरक्षा, जवाबदेही और समान पहुंच को बढ़ावा देना चाहिए।

दिनेश दरियानुमल ठक्कर: 'आजाद परिंदा' बनने की चाह में शेयर बाजार की राह चुनी, 711 करोड़ में जुहू टावर सौदा किया

करोड़ों की जायदाद के मालिक दिनेश दरियानुमल ठक्कर चर्चा में हैं। मुंबई में स्थित करीब 711 करोड़ रुपये के जुहू टावर सौदे के बाद दिनेश सुर्खियों में आए। इसे भारत के सबसे बड़े निजी आवासीय सौदों में से एक माना जा रहा है। पोर्श और लेम्बोर्गिनी जैसी एक दर्जन से अधिक दुर्लभ कारों के मालिक हैं। पारिवारिक कारोबार से अलग हटकर 'आजाद परिंदा' बनने की चाह में शेयर बाजार की राह चुनी। 1996 में छोटी-सी ब्रोकिंग फर्म से शुरुआत करने और वर्षों तक किराये के मकान में रहने वाले एंजेल वन के संस्थापक दिनेश ठक्कर आज करीब 711 करोड़ रुपये के जुहू टावर सौदे को लेकर सुर्खियों में हैं।साल 1992। जगह थी मुंबई। दलाल स्ट्रीट पर भारतीय शेयर बाजार का सबसे बड़ा भूचाल आया हुआ था, जिसे दुनिया ने हर्षद मेहता घोटाला कहा। इसी तूफान में मुलुंड के एक युवा कारोबारी का भी काफी कुछ दांव पर लगा था। उसने दोस्तों और जान-पहचान वालों से करीब ढाई लाख रुपये जुटाकर बाजार में पैसा लगाया था। हजारों निवेशकों की तरह उसकी भी जमा-पूंजी डूब गई थी। अब वह पूरी तरह से कर्ज में डूब चुका था। पर, उसने हार नहीं मानी।दिनेश ठक्कर ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और सुपरकार्स के बड़े शौकीन हैं। उनके गैराज में मैकलारेन 750एस स्पाइडर, फेरारी 488 पिस्ता, लेम्बोर्गिनी हुराकैन परफॉर्मेंट, और पोर्श 911 जीटी3 आरएस जैसी एक दर्जन से अधिक बेहद दुर्लभ स्पोर्ट्स कारें शामिल हैं।

वह एक-एक कर अपने हर लेनदार के पास गया और उनके पूरे पैसे लौटाने का वादा किया। फिर, उसने शेयर बाजार को नए सिरे से समझा, रात-दिन मेहनत की। वक्त बदला। उसने पाई-पाई जोड़कर सबका कर्ज पूरी ईमानदारी से चुकाया और 1996 में एक छोटी-सी फर्म की नींव रखी-एंजेल ब्रोकिंग। दिलचस्प बात यह है कि उस वक्त लोग अपनी कमाई से घर-गाड़ी खरीद रहे थे, लेकिन अपनी खुद की कंपनी होने के बावजूद वह युवक वर्षों तक किराये के मकान में ही रहा। वह अपने पैसों का इस्तेमाल कारोबार बढ़ाने में करना चाहता था। और, आज करीब तीन दशक बाद उसने एक ऐसा सौदा किया है, जिसे भारत में किसी एक व्यक्ति द्वारा निजी आवास के लिए किए गए अब तक के सबसे बड़े सौदों में से एक माना जा रहा है। हम बात कर रहे हैं एंजेल वन के संस्थापक, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर दिनेश दरियानुमल ठक्कर की। इन दिनों वह मुंबई में स्थित करीब 711 करोड़ रुपये के जुहू टावर सौदे को लेकर चर्चा में हैं। इस घर का नाम एंजेलस रखा गया है।

पान की दुकान से शुरू हुआ सफर

दिनेश ठक्कर का जन्म दो फरवरी, 1962 को मुंबई, महाराष्ट्र में एक मध्यमवर्गीय कारोबारी परिवार में हुआ था। उनके पिता दरियानुमल ठक्कर कपड़ा कारोबार से जुड़े थे। इस वजह से दिनेश को बचपन से ही व्यापार का माहौल मिला। उन्होंने अपनी स्कूली पढ़ाई ठाणे के सेंट जॉन द बैपटिस्ट हाईस्कूल से की। 12वीं के बाद उन्होंने मुंबई के किशिनचंद चेलाराम कॉलेज (केसी कॉलेज) में विज्ञान विषय में दाखिला लिया। हालांकि, उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं की और बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद उन्होंने परिवार के कारोबार में काम करना तो शुरू किया, लेकिन वह एक 'आजाद परिंदा' बनना चाहते थे। यही कारण है कि कंपनी खास रुचि के चलते उन्होंने शेयर बाजार की ओर कदम बढ़ाया। उनकी यात्रा की शुरुआत बेहद साधारण तरीके से हुई और उन्हें पहले दो ग्राहक एक पान की दुकान पर मिले थे। वह इन गाड़ियों को ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट जैसे रेसिंग ट्रैक पर खुद ड्राइव करने और अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोटिव इवेंट्स में शामिल होने का शौक रखते हैं। हालांकि, उनकी पहली कार 'प्रीमियर पद्मिनी' थीहालांकि, कैलिफोर्निया के योजमाइट की प्राकृतिक खूबसूरती के बीच की ड्राइव उनकी अब तक की पसंदीदा है।

बैंक हड़ताल: आईबीए के आश्वासन पर यूएफबीयू ने हड़ताल वापस लिया, हफ्ते में पांच दिन काम पर क्या हुआ फैसला?

बैंक यूनियनों ने अपनी तीन दिवसीय हड़ताल आईबीए के आश्वासन के बाद वापस ले ली है। अब सोमवार से बैंकों में सामान्य कामकाज होगा। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और सभी शनिवार को अवकाश की मांगों पर एक उच्च-स्तरीय समिति बनेगी।इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) के आश्वासन के बाद बैंक यूनियनों ने अपनी तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल वापस ले ली है। इससे सोमवार से सामान्य बैंकिंग कामकाज जारी रहेगा। यह हड़ताल पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और अन्य मांगों को लेकर बुलाई गई थी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने सोमवार से 30 सितंबर तक हड़ताल का आह्वान किया था। रविवार देर रात बैंक यूनियनों ने हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की। आईबीए ने उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है। इसमें सभी शनिवार को अवकाश घोषित करने की मांग भी शामिल है। वर्तमान में बैंक रविवार और महीने के दूसरे व चौथे शनिवार को बंद रहते हैं। आईबीए और यूएफबीयू की एक उच्च-स्तरीय समिति तुरंत बनाई जाएगी। यह समिति शेष शनिवारों को अवकाश घोषित करने के मुद्दे पर विचार करेगी। समिति सभी संभावित विकल्पों पर गौर करेगी

क्या है पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग?

बैंक यूनियन लंबे समय से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि सभी शनिवार को बैंकों में अवकाश घोषित किया जाए। वर्तमान में बैंक महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं। अन्य शनिवार को बैंक खुले रहते हैं। इस मांग से बैंक कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन का अवकाश मिलेगा।आईबीए और यूएफबीयू की उच्च-स्तरीय समिति इस मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श करेगी। यह समिति सभी संभावित विकल्पों का पता लगाएगी। विभिन्न हितधारकों के साथ भी चर्चा की जाएगी। ग्राहकों की सुविधा को भी ध्यान में रखा जाएगा। समिति का लक्ष्य एक ऐसा समाधान खोजना है जो सभी पक्षों को स्वीकार्य हो।

अन्य किन मुद्दों पर होगी चर्चा?

अधिकारियों के लिए पीएलआई योजना में संशोधन पर भी चर्चा होगी। यह योजना स्केल चार और उससे ऊपर के अधिकारियों पर लागू होती है। यूनियनों की आपत्तियों को दूर करने के लिए संशोधन प्रस्तावित किए जा सकते हैं। 8 मार्च 2024 के कार्यवृत्त में सूचीबद्ध लंबित मुद्दों पर भी बात होगी। इन मुद्दों का शीघ्र समाधान करने के लिए दोनों पक्ष चर्चा करेंगे।

कहीं रिटायरमेंट फंड खत्म न हो: अपनाएं तीन-बकेट फॉर्मूला; दो करोड़ से 57 साल तक चलेगा खर्च का गणित

रिटायरमेंट के बाद लंबे समय तक वित्तीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए पर्याप्त कॉर्पस, नियंत्रित निकासी दर, सही एसेट एलोकेशन और तीन-बकेट स्ट्रेटजी अहम हैं। 15, 20 और उससे अधिक वर्षों की जरूरतों को अलग-अलग निवेश बकेट में बांटकर चलने से बाजार जोखिम और महंगाई के प्रभाव को प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, लंबी उम्र और मेडिकल इमरजेंसी को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लिक्विड फंड रखना जरूरी है। बढ़ती महंगाई के इस दौर में यदि वृद्धावस्था की आर्थिक सुरक्षा पक्की करनी है, तो समय-आधारित बकेट स्ट्रेटजी, सही एसेट एलोकेशन और सूझबूझ के साथ निकासी नियमों का पालन करना अनिवार्य शर्त है। जीवन के हर पड़ाव पर कमाई की दौड़ के बाद जब व्यक्ति रिटायरमेंट की दहलीज पर पहुंचता है, तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल होता है- क्या जीवनभर की जमापूंजी परिवार को सुरक्षित रख पाएगी? जीएमआई इंडिया रिटायरमेंट रिसर्च रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, भारत में केवल 37% लोगों के पास ही रिटायरमेंट प्लान है। आधे से भी कम लोगों को यह पता है कि उन्हें रिटायरमेंट के लिए कितने पैसों की आवश्यकता होगी।दो करोड़ का फंड चलेगा 57 साल

मान लीजिए मिस्टर 'ए' 60 वर्ष की आयु में एक लाख रुपये मासिक खर्च और दो करोड़ रुपये के कुल रिटायरमेंट कॉर्पस के साथ रिटायर होते हैं। वह अगर इस दो करोड़ रुपये को तीन बकेट कंजर्वेटिव हाइब्रिड (8.6% रिटर्न, 25% हिस्सा इक्विटी और 75% हिस्सा डेट), अग्रेसिव हाइब्रिड (11.5% रिटर्न, 75% इक्विटी और 25% डेट) और इक्विटी (12.9% रिटर्न, पूरा शेयर बाजार या इंडेक्स फंड्स में निवेश)। महंगाई दर 6% मानकर जब चरणबद्ध तरीके से पैसे की निकासी की जाती है, तो मूलधन और उस पर मिलने वाले रिटर्न के तालमेल से यह दो करोड़ रुपये का फंड 57 वर्षों तक बिना खत्म हुए चल सकता है। बस शर्त यह है कि पैसे हमेशा पहली बकेट से शुरू करके क्रमानुसार अंत में इक्विटी वाली बकेट से निकाले जाएं।

यूपीआई पर एमडीआर की मार: क्या महंगा होगा म्यूचुअल फंड निवेश? जानें एसआईपी और एकमुश्त निवेश पर क्या होगा असर

15 अक्टूबर से चुनिंदा UPI ट्रांजैक्शन पर लगेगा MDR

15 अक्टूबर से चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर शुल्क देना होगा। यह चार्ज मुख्य रूप से म्यूचुअल फंड में एकमुश्त किए जाने वाले निवेश, डेट-मार्केट भुगतानों और ब्रोकर वॉलेट टॉप-अप करने के लिए यूपीआई इस्तेमाल करने पर लगेगा। यह शुल्क 15 लाख रुपये से कम के भुगतान पर ट्रांजैक्शन के आकार के हिसाब से लगेगा, जबकि 15 लाख रुपये से अधिक के लेनदेन पर अधिकतम 300 रुपये का फ्लैट चार्ज तय किया गया है।इसे निवेशकों पर नहीं डालेगा। हालांकि, यदि कोई निवेशक लिक्विड फंड्स में बार-बार पैसे डालेगा और निकालेगा, तो फंड हाउसों की लागत जरूर बढ़ेगी। ऐसे में कुछ कंपनियां नेट बैंकिंग या एनईएफटी जैसे वैकल्पिक तरीकों को अपनाने के लिए कह सकती हैं।

15 अक्टूबर से चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर MDR लागू होगा। म्यूचुअल फंड के यूपीआई ऑटोपे SIP को इससे छूट मिलेगी, जबकि एकमुश्त निवेश पर 0.02% शुल्क लगेगा। ब्रोकर वॉलेट टॉप-अप भी इसके दायरे में आएंगे, जिससे ब्रोकिंग कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और उसका असर ग्राहकों पर पड़ने की आशंका है। यूपीआई ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू होने जा रहा है। इस नए शुल्क के दायरे में म्यूचुअल फंड और शेयर ब्रोकिंग से जुड़े कुछ खास भुगतान भी आएंगे। हालांकि, आम निवेशकों के मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इसका असर उनकी जेब पर पड़ेगा और क्या म्यूचुअल फंड कंपनियां या ब्रोकर इस अतिरिक्त लागत का बोझ ग्राहकों पर डालेंगे? राहत की बात यह है कि यूपीआई ऑटोपे के जरिये चलने वाले म्यूचुअल फंड एसआईपी इस चार्ज से पूरी तरह मुक्त हैं। जो निवेशक यूपीआई के जरिये एकमुश्त पैसा लगाते हैं, उन्हें 0.02% के इस एमडीआर का सामना करना पड़ेगा। जानकारों का मानना है कि म्यूचुअल फंड उद्योग इस लागत को खुद ही वहन कर सकता है

सोने का आयात: वित्तीय वर्ष 2027 में भारत के सोने का आयात घटने की संभावना, रिपोर्ट में क्या सामने आया?

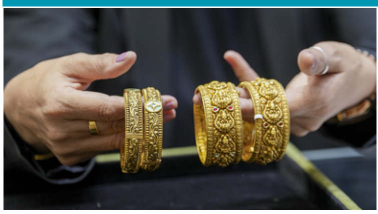

वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों में कैसे रहे आंकड़े?

रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों में सोने का आयात 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधिक में 16.9 अरब अमेरिकी डॉलर का था। रिपोर्ट कहती है, वित्त वर्ष 2026 में कुल आयात 72 अरब अमेरिकी डॉलर का था। रिपोर्ट का दावा है, हाल में सरकार द्वारा सोने के आयात शुल्क में छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने की वजह से घरेलू बाजार में सोने की खरीदारी में कमी आई है। वहीं सोने की रिकॉर्ड कीमतों में वृद्धि के साथ आयात शुल्क में दोहरे अंकों की वृद्धि ने घरेलू बाजार में सोने की कीमतों को बढ़ा दिया है। रिपोट कहती है, यदि सरकार आयात शुल्क में कटौती करती है, तो सोने का आयात सामान्य स्तर पर वापस आ सकता है।रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है, कराधान संरचना में बदलाव से सोने के आयात को कम करने, परिवारों को मौजूदा सोने का पुनर्चक्रण करने के लिए प्रोत्साहित करने और सरकारी राजस्व की रक्षा करने में सहायता मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार हम लंबे समय से सोने पर उच्च जीएसटी दरों और कम आयात शुल्क के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में तर्क दे रहे हैं

वित्त वर्ष 2027 में भारत के सोने के आयात में 88 अरब अमेरिकी डॉलर के पूर्वानुमान में गिरावट की संभावना जताई है, क्योंकि आधिकारिक मासिक आयात में मई में गिरावट आई, हालांकि त्योहारी मांग की वजह से इसमें सुधार होने की उम्मीद भी कोटक ने जताई है। सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, आयात शुल्क 6% से बढ़ाकर 15% किए जाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोना खरीदने से बचने की सलाह का असर घरेलू मांग पर पड़ा है। इसके अलावा, दुनियाभर में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की चिंता ने भी सोने की मांग को कमजोर किया है। इसी को देखते हुए कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने वित्त वर्ष 2027 में भारत के सोने के आयात के अनुमान में 88 अरब डॉलर की कमी आने की संभावना जताई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक मई में सोने के मासिक आयात में गिरावट भी दर्ज की गई। हालांकि, कोटक का मानना है कि आने वाले त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने से सोने के आयात में कुछ सुधार हो सकता है।रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2027 के अंत में 88 अरब अमेरिकी डॉलर के सोने के आयात का अनुमान फर्म ने लगाया है। हालांकि आगामी त्योहारी सीजन में मांग में तेजी के संभावना है।

द बोनस मार्केट अपडेट: शेयर बाजार फिसला, सेंसेक्स 700 अंक तक टूटा, निफ्टी 23000 के नीचे; निवेशक क्यों सहमे?

सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को तेज गिरावट दिखी। सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा टूटा और निफ्टी 23,000 के नीचे पहुंचा। जानिए बाजार में गिरावट की वजह, इंडिया वीआईएक्स और ग्लोबल मार्केट का हाल। सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुरी तरह गिरे। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं बाजार पर हावी रहीं। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। विदेशी पूंजी की निकासी ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान निवेशकों के मनोबल को चोट पहुंचाई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 730 अंक गिरकर 73,170.12 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 231.50 अंक टूटकर 22,908.95 पर पहुंच गया। एनरिच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार सतर्क रहने की संभावना है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,693.93 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की थी।सूचकांक तेजी के साथ कारोबार कर रहा था।

बाजार में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई?

बाजार में इस बड़ी गिरावट के पीछे कई कारण रहे। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल एक प्रमुख वजह है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों को चिंतित किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के संघर्ष-समाधान प्रस्ताव को अस्वीकार करने से चिंताएं बढ़ी हैं। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को फिर से खोलने के प्रस्ताव की अस्वीकृति ने आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान की आशंका जताई है। इससे तेल की कीमतें वैश्विक बाजारों के लिए एक प्रमुख कारक बन गई हैं।सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियां गिरावट के साथ कारोबार कर रही थीं। बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। इन कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.27 फीसदी की तेजी के साथ 106.7 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। हालांकि, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक तेजी के साथ कारोबार कर रहा था।

अल्लू सिरीश: गणेश विसर्जन के बाद भी नहीं थमा तेज म्यूजिक साउथ अभिनेता ने उठाई आवाज पुलिस ने दिया ये जवाब

South Actor Allu Sirish: साउथ अभिनेता अल्लू सिरीश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया कि वह हनुमान मंदिर में देर रात बज रहे तेज म्यूजिक से परेशान हो गए हैं, जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस में भी की।

प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद के छोटे बेटे और अभिनेता अल्लू अर्जुन के भाई अल्लू सिरीश ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। उस पोस्ट में एक्टर ने हैदराबाद सिटी पुलिस से हनुमान मंदिर में देर रात तक बजने वाले तेज म्यूजिक को लेकर कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, सिरीश हैदराबाद के शैकपेट इलाके में एक रेजिडेंशियल सोसाइटी में रहते हैं। उनका कहना है कि विनोभा नगर स्थित हनुमान मंदिर में तय डेसिबल लिमिट से ज्यादा तेज आवाज में म्यूजिक बजाया जा रहा है और यह रात 2 से 3 बजे तक जारी रहता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि अभिनेता ने क्या लिखा।

अल्लू सिरीश ने किया ये पोस्ट

सिरीश ने एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए हैदराबाद सिटी पुलिस को टैग किया और लिखा, 'मैं शेखपेट के अपर्णा वन का निवासी हूं। पिछले कुछ दिनों से विनोभा नगर के हनुमान मंदिर में रात 2-3 बजे तक तय डेसिबल लेवल से ज्यादा तेज आवाज में म्यूजिक बज रहा है। मैंने फिल्म नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत की है।' पोस्ट में अभिनेता ने आगे लिखा, 'लेकिन उन्होंने हमसे 25 सितंबर तक इंतजार करने को कहा, क्योंकि गणेश विसर्जन चल रहा था। त्योहार खत्म हो गया है, लेकिन तेज संगीत बंद नहीं हुआ है। हमारी सोसाइटी के कई बुजुर्ग, बच्चे और नौकरीपेशा लोग इससे परेशान हैं और पहले भी कई शिकायतें कर चुके हैं। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।आपसे रिक्वेस्ट है कि कृपया इस पर ध्यान दें, धन्यवाद।'

पुलिस ने दिया सिरीश को ये जवाब

हैदराबाद सिटी पुलिस ने अल्लू सिरीश की शिकायत का जवाब दिया। पोस्ट करते हुए पुलिस की तरफ से लिखा गया कि सर, जरूरी कार्रवाई के लिए यह मामला एसएचओ फिल्म नगर के साथ शेयर कर दिया गया है।

कौनसी हैं अल्लू सिरीश की फिल्में

अल्लू सिरीश ने साल 2013 में 'गौरवम' के साथ अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद वह 'कोठा जनता', 'श्रीरस्तु शुभमस्तु', 'ओक्का क्षणम' और 'एबीसीडी: अमेरिकन बॉर्न कन्फ्यूज्ड देसी' सहित तेलुगु फिल्मों में दिखाई दिए

बिग बॉस' फेम दिव्या शिंदे गिरफ्तार:

रिटायर्ड डॉक्टर पर जानलेवा हमला करने का आरोप दावा- घर में घुसकर पीटा

Bigg Boss fame Divya Shinde Arrest: 'बिग बॉस' फेम दिव्या शिंदे को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दिव्या पर अपने साथियों के साथ मिलकर एक रिटायर्ड डॉक्टर पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। 'बिग बॉस मराठी' की पूर्व कंटेस्टेंट और सोशल मीडिया पर 'सरकार' के नाम से पहचानी जाने वाली इन्फ्लुएंसर दिव्या शिंदे को पुणे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिव्या पर आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर पुणे के मोहम्मद वाड़ी इलाके में रहने वाले एक रिटायर्ड सरकारी डॉक्टर के घर में घुसकर उन पर जानलेवा हमला किया और घर में जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस ने आरोपी दिव्या को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 30 सितंबर तक के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। डॉक्टर विद्याधर गायकवाड़ (63) साल 2021 में पुणे के कैंटोनमेंट अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर के पद से रिटायर हुए थे। वे करुणादीप फाउंडेशन नाम के एक सामाजिक संगठन से जुड़े हुए हैं। इस संस्था ने बीते 1 से 3 सितंबर के बीच पुणे के बालगंधर्व रंगमंदिर में 'कला आविष्कार महोत्सव' नाम से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया था। डॉक्टर गायकवाड़ के भाई महेंद्र ने पुलिस को बताया कि इस कार्यक्रम में दिव्या शिंदे को कोई इन्विटेशन नहीं दिया गया था, फिर भी वह वहां बिन बुलाए पहुंचीं और एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के तौर पर मंच से लोगों को संबोधित किया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद दिव्या शिंदे ने यह दावा करते हुए 5 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी कि उसकी मौजूदगी की वजह से ही इस पूरे इवेंट को पब्लिसिटी मिली है। डॉक्टर विद्याधर ने दबाव में आकर दिव्या को 'गूगल पे' के जरिए करीब 50 हजार रुपये ट्रांसफर भी कर दिए थे, लेकिन दिव्या का मन इतने से नहीं भरा और वह लगातार बाकी के पैसों के लिए दबाव बनाती रही। 4 सितंबर की रात करीब 8:30 बजे दिव्या शिंदे अपने साथी अन्ना धामधरे और कुछ अन्य लोगों के साथ न्याति हाइलैंड्स स्थित डॉक्टर गायकवाड़ के आवास पर पहुंची।

कार्तिक आर्यन: राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने के बाद लंदन क्यों गए

Kartik Aaryan: बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को हाल ही में उनकी फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला। अब एक्टर अपनी नई फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग के लिए लंदन चले गए हैं। 22 सितंबर को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में अभिनेता कार्तिक आर्यन को उनकी फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस पुरस्कार को जीतने के बाद एक्टर इसे लेकर सीधा लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचे थे और अब वह लंदन चले गए हैं। दरअसल, कार्तिक ने अपनी फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग दोबारा शुरू कर दी है। सेट पर लौटते ही टीम ने कार्तिक का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनकी जीत का जश्न केक काटकर मनाया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा रही हैं।

टीम ने पोस्ट में लिखी ये बात

टीम ने कार्तिक का स्वागत करते हुए एक पोस्ट शेयर की। इसमें लिखा था, 'वेलकम बैक कैप्टन कार्तिक आर्यन। टीम 'कैप्टन इंडिया' को आपको सेट पर वापस देखकर बहुत गर्व हो रहा है और हम सेलिब्रेशन करना बंद नहीं कर सकते। एक नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर के साथ अब एक नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्टर भी इस फिल्म का हिस्सा है।' वीडियो में कार्तिक केक काटते हुए नजर आए। इस दौरान पूरी टीम ने तालियां बजाकर और चीयर करके इस खास पल को सेलिब्रेट किया। बता दें कि 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं।

पांच साल से क्यों लटकी है 'कैप्टन इंडिया'?

'कैप्टन इंडिया' का साल 2021 में हुआ था। तब फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता करने वाले थे।

फिल्म में कार्तिक भारतीय वायुसेना के पायलट की भूमिका में नजर आने वाले थे।

कहानी भारत के एक बड़े मानवीय निकासी अभियान से प्रेरित बताई गई, जिसमें हजारों लोगों को संकट के बीच सुरक्षित निकालने की कोशिश की जाती है।

फिर प्रोड्यूसर सुभाष काले ने आरोप लगाया कि इसकी कहानी 'ऑपरेशन यमन' से मिलती-जुलती है।

हालांकि, बाद में विवाद सुलझ गया। बस फिर फिल्म में एक बड़ा बदलाव हुआ। हंसल मेहता की जगह शिमित ने निर्देशन की कमान संभाल ली। अवॉर्ड सेरेमनी के बाद मीडिया से बात करते हुए कार्तिक ने इस सम्मान के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।

रणबीर कपूर @44: कैसे बने बॉलीवुड के रॉकस्टार?

Ranbir Kapoor Birthday Special: कपूर खानदार से ताल्लुक रखने वाले बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणबीर कपूर 28 सितंबर को अपना 44वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर आइए जानते हैं अभिनेता से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से। हिंदी सिनेमा के जिन नए कलाकारों ने सबसे ज्यादा शोहरत पाई है, उसमें रणबीर कपूर का भी नाम शामिल है। बॉलीवुड में उन्होंने अपनी छवि ऐसे कलाकार की बनाई है, जो कई तरह के किरदार निभा सकता है। फिल्मों में आने से पहले उनका अपने पिता के साथ रिश्ता काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। कपूर खानदान से होने के बावजूद उन्हें बॉलीवुड में अपना नाम कमाने में काफी मेहनत करनी पड़ी।

अमेरिका से की पढ़ाई

28 सितंबर 1982 के जन्मे रणबीर कपूर दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर और अभिनेत्री नीतू कपूर के बेटे हैं। वह दिग्गज अभिनेता राज कपूर के पोते हैं। उन्होंने अमेरिका में मौजूद स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स और ली स्ट्रासबर्ग थिएटर एंड फिल्म इंस्टीट्यूट में फिल्म-मेकिंग और मेथड एक्टिंग की पढ़ाई की।

पिता से थे उतार-चढ़ाव भरे रिश्ते

रणबीर कपूर के पिता ऋषि कपूर ने अपनी बायोग्राफी 'खुल्लम खुल्ला' में बेटे के साथ अपने रिश्तों के बारे में बताया है। उनके मुताबिक उन्होंने अपने बेटे से जानबूझकर थोड़ी दूरी बनाई थी। वह चाहते थे कि रणबीर कपूर उनका सम्मान करें। वह अक्सर रणबीर से कहते थे 'मैं तुम्हारा बाप हूं, दोस्त नहीं।' इसी वजह से रणबीर कपूर अपने पिता से बचपन से डरते थे। बचपन में रणबीर कपूर अपने पिता से दो बार पिट चुके हैं। एक बार वह जूते पहनकर मंदिर में चले गए थे। इसलिए उनके पिता ने नाराज होकर उनको तमाचा मारा था। रणबीर कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब वह 12 साल के थे, तब उनके साथ यह घटना हुई थी। एक दूसरा मौका था जब पिता से रणबीर कपूर को मार पड़ी थी। बचपन में अभिनेता अक्सर अपनी बड़ी बहन रिद्धिमा कपूर को परेशान करते थे। वह उनके साथ मारपीट किया करते थे। एक बार रिद्धिमा कपूर ने रणबीर कपूर की पिता से शिकायत कर दी। इसके बाद रणबीर कपूर की पिटाई हो गई। यह घटना तब हुई थी जब वह 9 साल के थे।

रणबीर कपूर भले कपूर खानदान के बेटे थे, मगर उनके पिता चाहते थे कि वह जमीन से जुड़े रहें और अपने बल पर कुछ करें। यही वजह थी कि जब रणबीर कपूर अमेरिका में पढ़ाई कर रहे थे, तब उनके पिता उनके लिए खर्चा से ज्यादा पैसा नहीं भेजते थे। बताया जाता है कि जब वह अमेरिका से लौटे तब उनके पिता ने उनसे गाड़ी छीन ली थी। इसकी वजह यह थी कि ऋषि कपूर चाहते थे कि रणबीर कपूर अपने दम पर कुछ करें।

बेटे की फिल्मों से खुश नहीं थे ऋषि कपूर

ऐसा नहीं है कि रणबीर के पिता सिर्फ बचपन में ही उनसे नाराज थे। बल्कि जब रणबीर जवान हो गए, तब भी उनके पिता उनसे बहुत खुश नहीं थे। रणबीर कपूर ने जब फिल्म 'वेक अप सिड' और 'रॉकेट सिंह' में काम किया, तो उनके पिता को ये फिल्में पसंद नहीं आईं। उनके मुताबिक ये फिल्में बहुत सीमित दर्शकों के लिए हैं।

हालांकि बाद में ऋषि कपूर, रणबीर कपूर की अदाकारी के कायल हुए। उन्होंने उनकी अदाकारी की काफी तारीफ भी की। ऋषि कपूर जब बीमार हुए थे और अमेरिका में अपना इलाज करा रहे थे, तब पिता और बेटे के बीच रिश्ते काफी बेहतर हुए थे।

रणबीर कपूर, कपूर खानदान से ताल्लुक रखते हैं। हालांकि उन्हें फिल्मों में आने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान ही शॉर्ट फिल्म पैशन{ } ऑफ लव (2002) का निर्देशन किया था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने शॉर्ट फिल्म 'इंडिया 1964' में अभिनय किया था। रणबीर कपूर ने बॉलीवुड फिल्म 'आ अब लौट चलें' (1999) और 'ब्लैक' (2005) में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर बॉलीवुड में कदम रखा। साल 2007 में उन्होंने फिल्म 'सांवरिया' से बतौर अभिनेता बॉलीवुड में डेब्यू किया।

साल 2009 में रणबीर कपूर ने फिल्म 'अजब प्रेम की गजब कहानी' में अभिनय किया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कामयाब रही। रणबीर कपूर को सबसे ज्यादा पहचान फिल्म 'रॉकस्टार' (2011) से मिली। उनके करियर में सबसे ज्यादा कामयाब फिल्मों में 'बर्फी' (2012) शामिल है। साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' हिट रही।

बॉक्स ऑफिस: 300 करोड़ पार हुई 'हनुमान अंश' की कमाई

नई फिल्मों से किया मुकाबला इस हॉलीवुड फिल्म को चटाई धूल

Box Office Collection: दर्शकों में 'हनुमान अंश' को लेकर क्रेज कम नहीं हो रहा है। 'मिर्जापुर: द मूवी' भी धीमी रफ्तार से कमाई कर रही है। जानिए दोनों फिल्मों का रविवार का कलेक्शन। फिल्म 'हनुमान अंश' को रिलीज हुए 52 दिन हो चुके हैं। बॉक्स ऑफिस पर अब भी यह फिल्म बेहतरीन कमाई कर रही है। आज रविवार को फिल्म की कमाई में एक बार फिर जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। वहीं 'मिर्जापुर द मूवी' की कमाई में वीकएंड पर मामूली उछाल आया है। जानिए इन दोनों फिल्मों ने आज कितना कलेक्शन किया है। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु की फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' को रिलीज हुए आज 24 दिन हो गए हैं। वीकएंड पर इसकी कमाई में मामूली बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को इसने एक करोड़ रुपये कमाए थे। कल चौथे शनिवार को इसकी कमाई 1.55 करोड़ रुपये रही थी। आज खबर लिखे जाने तक इसने 1.42 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसका टोटल कलेक्शन 226.77 करोड़ रुपये हो गया है।

- वीकएंड पर 'हनुमान अंश' ने दिखाया जलवा फिल्म 'हनुमान अंश' ने अपनी कमाई से सबको हैरान कर दिया है।
- रिलीज के 52 दिन बाद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है।
- कल इसने 6.50 करोड़ रुपये कमाए थे
- आज खबर लिखे जाने तक फिल्म ने 8.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।
- इसका टोटल कलेक्शन 306.38 करोड़ रुपये हो गया है।

ऐसा नहीं है कि हनुमान अंश ने सिर्फ भारत में अच्छा कलेक्शन कर रही है। यह फिल्म दुनियाभर में जबरदस्त कमाई कर रही है। दुनियाभर में इसने अब तक 389.85 करोड़ रुपये कमाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म का बजट सिर्फ दो करोड़ रुपये है।

'हनुमान अंश' की कमाई हॉलीवुड फिल्म 'एवेंजर्स एंडगेम एनकोर' से ज्यादा है। इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन सिर्फ 6.65 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं यह फिल्म 'द वन' और 'द पैराडाइज' से मुकाबला कर रही है। 'द वन' ने आज 13.43 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं 'द पैराडाइज' ने आज 13.92 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

डॉ. विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी और शोभिनव सत्या स्टारर यह फिल्म नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा से प्रेरित है। महज लगभग 2 करोड़ रुपये के छोटे से बजट में तैयार हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जो सफलता हासिल की है, उसने ट्रेड पंडितों को भी हैरान कर दिया है। फिल्म ने देश में 14,000% से ज्यादा का बंपर नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। हाल ही में सिनेमाघरों में कई नई फिल्मों (जैसे 'द पैराडाइज' और 'द वन') की एंट्री हुई और हॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एवेंजर्स: एंडगेम' (Avengers: Endgame) भी दोबारा रिलीज हुई। इन बड़ी फिल्मों की वजह से 'हनुमान अंश' के स्क्रीन्स (शोज) आधे जरूर हुए, लेकिन दर्शकों के बीच इसका क्रेज कम नहीं हुआ। माउथ पब्लिसिटी के दम पर इसने हॉलीवुड और अन्य नई फिल्मों को कड़ी टक्कर देते हुए अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी और बॉक्स ऑफिस पर धूल चटा दी।

Aaj ka Rashifal 28 September

आज का राशिफल: कर्क, सिंह और मकर राशि वालों को मिल सकते हैं सफलता के नए मौके, पढ़ें दैनिक राशिफल

Rashifal 28 September 2026: आज का दिन कुछ राशियों के लिए करियर और आर्थिक मामलों में नए अवसर लेकर आ सकता है, जबकि कुछ जातकों को फैसले लेते समय सावधानी बरतनी होगी। जानें सभी राशियों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा।

Rashifal 28 September 2026: सोमवार का दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के लिहाज से सभी राशियों के लिए अलग-अलग प्रभाव लेकर आ सकता है। किसी राशि के जातकों को कामकाज में आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं, तो कुछ लोगों को आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत होगी। वहीं, पारिवारिक और निजी जीवन में भी ग्रहों की स्थिति का असर देखने को मिल सकता है। मेष से लेकर मकर राशि तक के जातकों के लिए आज का दिन करियर, कारोबार, धन, परिवार और रिश्तों के लिहाज से कैसा रहेगा, यह जानना आपके लिए उपयोगी हो सकता है। कुछ लोगों को रुके हुए काम पूरे होने की उम्मीद रहेगी जबकि कुछ जातकों को अपनी योजनाओं में बदलाव करना पड़ सकता है। आज जल्दबाजी के बजाय परिस्थितियों को समझकर निर्णय लेना बेहतर माना जा सकता है।

मेष

आज आपके भीतर ऊर्जा और उत्साह की कोई कमी नहीं रहेगी। कुछ नया करने की इच्छा आपको आगे बढ़ाएगी और इसका सकारात्मक असर कामकाज के साथ-साथ व्यापार में भी दिखाई देगा। अटके हुए काम तेजी से पूरे हो सकते हैं और कारोबार में नई गति आएगी। नई पार्टनरशिप का विचार है तो जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। संतान की खुशी के लिए वाहन खरीदने का मन बन सकता है। घर में मेहमानों के आने से माहौल खुशनुमा रहेगा, हालांकि पिताजी की सेहत को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है।

वृषभ

आज मन में किसी बात को लेकर उलझन या चिंता बनी रह सकती है। किसी निर्णय को लेकर डर महसूस हो तो भी धैर्य न खोएं और दूसरों की बातों में आकर जल्दबाजी न करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला आपके पक्ष में जाता दिखाई दे सकता है। पानी वाली जगहों पर विशेष सावधानी बरतना बेहतर रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को लगातार मेहनत करते रहना होगा। आपकी कोशिशें धीरे-धीरे सफलता की दिशा में बढ़ेंगी।

मिथुन

आज आर्थिक मोर्चे पर अच्छे संकेत मिलेंगे। आय बढ़ाने के नए रास्ते दिखाई दे सकते हैं और भविष्य को लेकर आपका आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। ससुराल पक्ष से मुलाकात रिश्तों में गर्मजोशी बढ़ाएगी। परिवार से जुड़ी निजी बातों को दूसरों के साथ साझा करने से बचें, वरना छोटी बात अनावश्यक रूप से बढ़ सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए विशेष सहारा बनेगा और पुराने अनुभव आज सही निर्णय लेने में मदद करेंगे।

कर्क

आज प्रगति के साथ सहयोग भी मिलता रहेगा। वरिष्ठ लोगों का मार्गदर्शन मिलने से काम आसानी से पूरे होंगे और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की कोशिशों में सफलता मिल सकती है। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात हो सकती है, जिससे पुरानी यादें फिर ताजा हो जाएंगी। संतान से किया हुआ वादा पूरा करना आपके लिए जरूरी रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को कोई उत्साह बढ़ाने वाली खबर मिल सकती है।

सिंह

आज भाग्य का साथ मिलने से कई रुके हुए काम दोबारा गति पकड़ सकते हैं। जिन कामों में लंबे समय से अड़चन आ रही थी, उनमें रास्ता खुलता नजर आएगा। हालांकि दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करने से बचें। किसी दूर के रिश्तेदार से जुड़ी खबर मन को थोड़ा उदास कर सकती है। अपनी तरक्की को लेकर आसपास के लोगों की सोच को समझकर आगे बढ़ें। बैंक से लोन लेने की योजना बना रहे हैं तो प्रयास करने के लिए दिन ठीक रहेगा।

कन्या

आज आपको हर कदम पर संतुलन और सावधानी बनाए रखने की जरूरत होगी। संतान की संगति पर ध्यान दें और वाहन चलाते समय किसी भी तरह की लापरवाही न करें। पुराने लेन-देन का बोझ कम होने से मन को राहत मिलेगी। अपनी पसंद और शौक की चीजों पर खर्च करने का मन बन सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और साथी के साथ कहीं बाहर जाने का अच्छा अवसर भी मिल सकता है।

तुला

आज का दिन रिश्तों की गर्माहट और मानसिक सुकून लेकर आएगा। जीवनसाथी का सहयोग आपको भीतर से मजबूत करेगा और आपसी प्रेम भी बढ़ेगा। संतान आपकी उम्मीदों को पूरा करने की पूरी कोशिश करेगी। छोटे बच्चों के लिए कोई खास चीज खरीदने का मन बन सकता है। माताजी की ओर से मिली जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाना आपके लिए जरूरी रहेगा। दोस्तों के साथ हंसी-मजाक और बातचीत से दिनभर का तनाव काफी कम होगा।

वृश्चिक

आज का दिन उतार-चढ़ाव के बीच प्रगति के अवसर भी लेकर आएगा। विरोधियों पर आपका प्रभाव मजबूत रहेगा और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम आपको यात्रा पर भी ले जा सकता है। बस अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो आगे चलकर आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

धनु

आज व्यापार और करियर दोनों के लिहाज से दिन उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। सेहत में पहले की तुलना में सुधार महसूस होगा, लेकिन जरूरत पड़ने पर भी किसी से धन उधार लेने से बचना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर अपनी बात स्पष्ट और आत्मविश्वास के साथ रखें। कहीं घूमने जाने की योजना बन सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा लेकर आएगा और पुरानी गलतियों से मिली सीख आज सही निर्णय लेने में मदद करेगी।

मकर

आज स्वास्थ्य को लेकर राहत महसूस होगी और माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए सौभाग्य का कारण बनेगा। लंबे समय से अटके काम पूरे होने की उम्मीद है, इसलिए जिम्मेदारियों को टालने के बजाय समय पर पूरा करें। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश करेंगे तो आपसी रिश्ता और मजबूत होगा। पुराने कर्ज से राहत मिलने के संकेत हैं। साथ ही आसपास के लोगों की नीयत को समझकर ही कोई महत्वपूर्ण कदम उठाना आपके हित में रहेगा।

कुंभ

आज आपकी मेहनत का परिणाम साफ दिखाई देगा और आत्मविश्वास पहले से अधिक मजबूत होगा। साहस और पराक्रम बढ़ने से आप बड़े फैसले लेने में खुद को अधिक सक्षम महसूस करेंगे। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना बन सकती है। पार्टनरशिप से जुड़े कामों में कागजी कार्रवाई बहुत ध्यान से पूरी करें। नया घर या संपत्ति खरीदने का विचार भी आज गंभीरता से मन में आ सकता है।

मीन

आज दिन सकारात्मक परिणामों से भरा रह सकता है। समझदारी और सोच-विचार के साथ किया गया निवेश भविष्य में अच्छा लाभ दे सकता है। व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे और रुका हुआ पैसा वापस आने से आर्थिक राहत महसूस होगी। प्रेम जीवन में खुशियां बढ़ेंगी और साथी का साथ मन को सुकून देगा। आपकी मधुर वाणी लोगों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित करेगी, लेकिन साथ ही विरोधियों से थोड़ा सतर्क रहना समझदारी होगी।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल: मेष, तुला और कुंभ राशि के रिश्तों में आएगी नई मिठास, पढ़ें दैनिक लव राशिफल

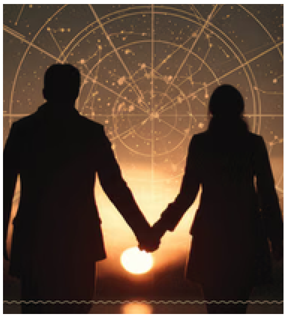

Love Rashifal 28 September 2026: आज कुछ राशियों की लव लाइफ में प्यार और आपसी समझ बढ़ सकती है, जबकि कुछ जातकों को रिश्तों में धैर्य रखने की जरूरत होगी। जानें मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए आज का प्रेम राशिफल।

Love Rashifal 28 September 2026: प्यार और रिश्तों के मामले में हर दिन का अनुभव एक जैसा नहीं होता। कभी रिश्ते में नजदीकियां बढ़ती हैं, तो कभी छोटी-सी गलतफहमी भी मन में दूरी पैदा कर सकती है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, 28 सितंबर 2026 का दिन भी सभी राशियों के लिए प्रेम संबंधों के लिहाज से अलग-अलग संकेत लेकर आ सकता है। कुछ जातकों को पार्टनर के साथ बेहतर तालमेल और भावनात्मक जुड़ाव महसूस जबकि कुछ लोगों को बातचीत करते समय संयम बरतने की जरूरत पड़ सकती है। आज प्रेम जीवन से जुड़े फैसले जल्दबाजी में लेने के बजाय परिस्थितियों को समझकर आगे बढ़ना बेहतर रहेगा।

आज का अंक ज्योतिष: मूलांक 3, 6 और 9 वालों के लिए बनेंगे धन लाभ के संकेत, पढ़ें दैनिक अंक ज्योतिष

Ank Jyotish 28 September 2026: अंक ज्योतिष के अनुसार आज का दिन मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए अलग-अलग संकेत लेकर आ सकता है। जानें जन्म तारीख के आधार पर आज का अंक ज्योतिष और करियर, धन व रिश्तों से जुड़े संकेत।

Ank Jyotish 28 September 2026: अंक ज्योतिष में जन्म तारीख से प्राप्त मूलांक के आधार पर व्यक्ति के जीवन से जुड़े कई पहलुओं के बारे में संकेत दिए जाते हैं। 28 सितंबर का दिन मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए अलग-अलग प्रभाव लेकर आ सकता है। किसी मूलांक के लिए करियर में नए अवसर बन सकते हैं तो किसी को आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले लेने की सलाह दी जा सकती है। वहीं कुछ जातकों के लिए रिश्तों और निजी जीवन के लिहाज से दिन महत्वपूर्ण रह सकता है। जानें जन्म तारीख के अनुसार आज का अंक ज्योतिष और किस मूलांक के लिए कैसा रहेगा 28 सितंबर का दिन।

9 अक्तूबर को शनि का नक्षत्र परिवर्तन, मेष से मीन तक जानें 12 राशियों पर प्रभाव

Saturn Nakshatra Change 2026: 9 अक्तूबर को शनि नक्षत्र परिवर्तन करने जा रहे हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार शनि के नक्षत्र परिवर्तन का असर मेष से मीन तक सभी 12 राशियों पर अलग-अलग देखने को मिल सकता है। जानें आपकी राशि पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

Shani Nakshatra Change 2026: वैदिक ज्योतिष में शनि को कर्म और न्याय का कारक ग्रह माना जाता है। मान्यता है कि शनिदेव व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। शनि की गति अन्य ग्रहों की तुलना में धीमी होती है और वह लंबे समय तक एक राशि में रहते हैं। राशि परिवर्तन के भी होता है, जिसका प्रभाव ज्योतिषीय गणना में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस समय शनि मीन राशि में वक्री अवस्था में रेवती नक्षत्र में स्थित हैं। अब अक्टूबर में वह अपना नक्षत्र बदलकर उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, शनि के इस नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग पड़ सकता है। चंद्र राशि के आधार पर देखें तो सभी 12 राशि के जातकों के लिए यह बदलाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आइए जानते हैं सभी 12 राशियों पर कैसा पड़ेगा प्रभाव।

तुला राशि में शुक्र का गोचर, मेष समेत 4 राशियों की बढ़ेगी आर्थिक स्थिति

Venus Transit 2026: शुक्र का तुला राशि में गोचर कुछ राशियों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी माना जा रहा है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार मेष समेत 4 राशियों को धन लाभ और आय के नए अवसर मिल सकते हैं।

Shukra Gochar 2026: ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को प्रेम, सौंदर्य, भौतिक सुख-सुविधाओं, धन और ऐश्वर्य का कारक ग्रह माना जाता है। शुक्र की स्थिति मजबूत होने पर इन क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना जताई जाती है। इस समय शुक्र अपनी स्वराशि तुला में गोचर कर रहे हैं। उनका यह गोचर 6 नवंबर 2026 तक रहेगा। ऐसे में आने वाले दिनों में कुछ राशियों के लिए आर्थिक और करियर से जुड़े मामलों में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार कुछ विशेष राशि के जातकों को इस अवधि में नौकरी, कारोबार, धन और रिश्तों से जुड़े मामलों में अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। हालांकि ज्योतिषीय फल व्यक्ति की पूरी कुंडली और ग्रहों की स्थिति पर निर्भर करते हैं।

साप्ताहिक राशिफल: इस सप्ताह इन 4 राशि वालों का चमकेगा भाग्य, मनचाहे लाभ के साथ मिलेंगे तरक्की के अवसर

Weekly Horoscope: यह सप्ताह कुछ राशि वालों के लिए खास रहने वाला है। जातकों को मनचाहा लाभ मिलता दिख रहा है। इसके अलावा नौकरी में अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

Weekly Horoscope: सितंबर का आखिरी सप्ताह शुरू हो चुका है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह सप्ताह सभी राशियों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आ सकता है। हालांकि, कुछ राशि वालों के लिए यह समय विशेष रूप से लाभकारी रहने वाला है। इस सप्ताह बुध, सूर्य, गुरु और शनि की ग्रह स्थिति का शुभ प्रभाव कुछ राशियों पर देखने को मिल सकता है। इसके चलते जातकों को निवेश में मनचाहा लाभ और कारोबार में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही आर्थिक स्थिति में सुधार और नौकरी को लेकर लंबे समय से अटके कार्यों में सफलता मिलने के भी योग बन रहे हैं। ऐसे में आइए सितंबर का आखिरी सप्ताह किन चार राशि वालों के लिए भाग्यशाली साबित हो सकता है, यह जानते हैं।

एशियन गेम्स: बिना टॉस के सेमीफाइनल में पहुंचे भारत और पाकिस्तान

भारत और अफगानिस्तान के बीच एशियन गेम्स 2026 का क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण बिना टॉस रद्द हो गया। बेहतर आईसीसी टी20 रैंकिंग के आधार पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच गया। अब उसका सामना बांग्लादेश और मलयेशिया के क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।c भारत और अफगानिस्तान के बीच एशियन गेम्स 2026 पुरुष क्रिकेट का क्वार्टर फाइनल बारिश की वजह से बिना टॉस हुए रद्द हो गया। लगातार खराब मौसम और मैदान की खराब स्थिति के कारण मैच को रद्द करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। मैदान की हालत मैच कराने लायक नहीं थी, क्योंकि वहां सुबह से ही काफी बारिश हुई है। मैदान लगातार कवर्स से ढका रहा है और उसे हटाया तक नहीं गया। जब दोनों टीमें स्टेडियम पहुंचीं, तब बारिश रुकी हुई थी, लेकिन आसमान में काले बादल मंडरा रहे थे। ऐसे में मैच नहीं कराने का फैसला लिया गया।

यह क्वार्टर फाइनल निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जाना था। मैच से पहले ही लगातार बारिश के कारण मैदान पर कवर्स लगे हुए थे और हालात लगातार खराब बने रहे। इससे पहले भी इस वेन्यू पर पाकिस्तान और हॉन्गकॉन्ग के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला बिना टॉस के रद्द हुआ था। मैदान की स्थिति ऐसी नहीं थी कि मैच शुरू कराया जा सके। अधिकारियों के पास मुकाबले को छोटा करके कराने का भी कोई व्यावहारिक मौका नहीं बचा और आखिरकार मैच को रद्द करने का फैसला लिया गया।

दरअसल, एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट मुकाबलों में नॉकआउट मैच के लिए रिजर्व डे नहीं रखा गया है। ऐसे में अगर बारिश या किसी अन्य कारण से क्वार्टर फाइनल का कोई नतीजा नहीं निकलता है, तो बेहतर आईसीसी टी20 रैंकिंग वाली टीम को विजेता माना जाता है। भारत इस समय आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 पर है, जबकि अफगानिस्तान 10वें स्थान पर है। यही वजह रही कि मैच रद्द होने के बाद भारत को सेमीफाइनल का टिकट मिल गया। भारत एशियन गेम्स में मौजूदा पुरुष क्रिकेट चैंपियन है। 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी भारत और अफगानिस्तान के बीच स्वर्ण पदक का मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था और बेहतर सीडिंग के आधार पर भारत को स्वर्ण पदक दिया गया था। अब एशियन गेम्स 2026 में भी भारत बिना क्वार्टर फाइनल खेले अंतिम चार में पहुंच गया है। टीम की अगली चुनौती सेमीफाइनल में होगी, जहां भारत स्वर्ण पदक की अपनी दावेदारी को आगे बढ़ाएगा।

139 रन 10 चौके 9 छक्के: विराट कोहली के बल्ले ने मचाई तबाही!

विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम वनडे में 15,000 रन पूरे कर इतिहास रच दिया। वह इस मुकाम तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले बल्लेबाज बने। कोहली ने कई अन्य रिकॉर्ड भी बनाए, जबकि शुभमन गिल और कुलदीप यादव ने भी खास उपलब्धियां हासिल कीं। आइए जानते हैं

विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम वनडे में अपने बल्ले से ऐसा तूफान मचाया कि रिकॉर्ड्स की झड़ी लग गई। कोहली ने 119 गेंदों में 139 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके और नौ छक्के शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने वनडे में 15 हजार रन पूरे करने के साथ कई बड़े कीर्तिमान अपने नाम किए। कोहली ने इस मैच में सिर्फ अपने रिकॉर्ड नहीं बनाए, बल्कि शुभमन गिल और कुलदीप यादव भी खास उपलब्धियों की सूची में शामिल हुए। विराट कोहली के वनडे में अब 15,080 रन हो गए हैं। वह 15 हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर ने 18,426 रन बनाए हैं। कोहली ने 303 पारियों में 15 हजार वनडे रन पूरे किए। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज हैं। सचिन तेंदुलकर ने 377 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। गेंदों के लिहाज से भी कोहली सबसे तेज रहे। उन्होंने 15,950 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ, जबकि तेंदुलकर ने 17,528 गेंदें खेली थीं। हालांकि, डेब्यू से इस मुकाम तक पहुंचने में तेंदुलकर ने कोहली से 212 दिन कम लिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ कोहली का शतक लिस्ट-ए क्रिकेट में उनका 60वां शतक था। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दोनों के नाम अब इस प्रारूप में 60-60 शतक हैं। भारत में कोहली के वनडे रनों की संख्या 7006 हो गई है। वह किसी एक देश में 7000 वनडे रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के भारत में बनाए 6976 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में कोहली के नाम अब 10 शतक हो गए हैं। किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने के मामले में उन्होंने अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ भी 10 शतक लगाए हैं। 14 हजार वनडे रन पूरे करने के बाद कोहली ने 107.93 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। 1000 रन के किसी भी ब्लॉक में यह उनका सबसे बेहतर स्ट्राइक रेट है। इससे पहले 13 हजार से 14 हजार रन के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 87.96 रहा था।

कोहली ने तिरुवनंतपुरम में तीन वनडे पारियों में 338 रन बनाए हैं और इस दौरान एक बार भी आउट नहीं हुए। किसी मैदान पर बिना आउट हुए बल्लेबाज के सबसे ज्यादा वनडे रन का यह रिकॉर्ड है। दो आउट होने के बीच किसी मैदान पर बनाए गए रनों में भी यह दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है

विश्वकप लिए क्या है भारत का प्लान? नीतीश को मिलेंगे मौके कृष्णा-गुरनूर पर भी रहेगी नजर मोर्केल ने खोला राज

मोर्ने मोर्केल ने नीतीश कुमार रेड्डी को संभालकर तैयार करने और स्पष्ट भूमिका के साथ लगातार मौके देने पर जोर दिया, ताकि वह भविष्य में टीम के प्रमुख ऑलराउंडर बन सकें। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ जैसे गेंदबाजों को आजमाने के साथ भारत अगले साल के वनडे विश्व कप के लिए अपनी गेंदबाजी यूनिट तैयार करेगा। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को संभालकर तैयार करने की जरूरत पर जोर दिया है। उनका मानना है कि नीतीश में बल्ले, गेंद और फील्डिंग तीनों विभागों में प्रभाव छोड़ने की क्षमता है और लगातार मौके देकर उन्हें भविष्य के प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में विकसित किया जा सकता है। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ जैसे गेंदबाजों को भी पर्याप्त मैच समय देने की योजना है। भारतीय टीम में हाल के समय में खिलाड़ियों की फिटनेस भी चर्चा का विषय रही है। हार्दिक पांड्या और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ी चोट के कारण टीम से बाहर हैं। मोर्केल ने कहा कि टीम प्रबंधन बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मेडिकल स्टाफ के साथ मिलकर प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अलग-अलग वापसी योजना पर काम कर रहा है।

एशियन गेम्स 2026: क्रिकेट में बड़ा उलटफेर

नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया 16 गेंद पहले जीता मैच

एशियन गेम्स 2026 में नेपाल ने ग्रुप ए के मुकाबले में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान ने 102 रन बनाए, जिसके जवाब में नेपाल ने 17.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने अहम पारियां खेलीं। नेपाल की यह अफगानिस्तान पर पांच टी20 मुकाबलों में दूसरी जीत है। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट में बड़ा उलटफेर हुआ है। शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 102 रन ही बना सकी। जवाब में नेपाल ने 16 गेंद शेष रहते यानी 17.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मोहम्मद अकरम दो रन और करीम जनत नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हसन ऐसाखिल खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद फैसल शिनोजादा और नजीबुल्लाह जादरान ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। शिनोजादा 33 गेंद में 30 रन और जादरान 40 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए।

फिर अफगानिस्तान की टीम संभल नहीं सकी। मोहम्मद इशाक सात रन और कप्तान दरविश रसूली खाता खोले बिना आउट हुए। खरोती 15 गेंद में 17 रन और अहमदजई एक रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल की ओर से कुशर भुर्तेल ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, ललित राजबंशी को तीन विकेट मिले। 103 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम की शुरुआत भी खराब रही। कुशल भुर्तेल खाता खोले बिना आउट हुए। वहीं, आसिफ शेख दो रन बना सके। कुशल मल्ला भी नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने चौथे विकेट के लिए 25 रन जोड़े। जोरा 35 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हुए। फिर पौडेल ने दीपेंद्र सिंह एयरी के साथ 46 रन की साझेदारी निभाई। एयरी 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पौडेल ने गुलशन झा के साथ मिलकर नेपाल को जीत दिलाई।

पाकिस्तान-हॉन्गकॉन्ग मैच बारिश में धुला: कौन पहुंचा सेमीफाइनल में? भारत-अफगानिस्तान मुकाबले पर भी संकट के बादल

एशियन गेम्स में पाकिस्तान और हॉन्गकॉन्ग, चीन के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला लगातार बारिश के कारण बिना गेंद फेंके रद्द हो गया। बेहतर आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंच गया। अब भारत-अफगानिस्तान मैच पर भी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। एशियन गेम्स 2026 के क्रिकेट मुकाबलों में बारिश ने रोमांच पर पानी फेर दिया है।

पाकिस्तान और हॉन्गकॉन्ग, चीन के बीच पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला लगातार बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया। बारिश के कारण मैच में टॉस तक नहीं हो सका।

सुबह से लगातार हो रही बारिश और रात की बारिश के बाद मैदान की आउटफील्ड में काफी पानी जमा था। हालात में सुधार नहीं होने के कारण अधिकारियों ने मैच शुरू होने की संभावना को खारिज कर दिया। यहां तक कि पांच ओवर का छोटा मुकाबला कराने का विकल्प भी संभव नहीं था।

मैच रद्द होने के बाद पाकिस्तान को उसकी बेहतर आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सेमीफाइनल में जगह मिल गई। वहीं, हॉन्गकॉन्ग, चीन का अभियान बिना मैदान पर उतरे ही समाप्त हो गया। उसके पास मुकाबले में अपनी दावेदारी पेश करने का मौका तक नहीं आया।

भारत-अफगानिस्तान मैच पर भी संकट

अब इसी मैदान पर होने वाले भारत और अफगानिस्तान के क्वार्टर फाइनल मुकाबले पर भी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। नागोया में बारिश लगातार जारी है और आउटफील्ड पहले से ही काफी गीली है। अगर भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला भी बारिश के कारण रद्द होता है, तो बेहतर आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। फिलहाल भारतीय प्रशंसकों की नजरें मौसम और मैदान की स्थिति पर टिकी हैं।

यहाँ Asian Games 2026 के क्रिकेट मुकाबले से जुड़ी ताज़ा अपडेट है:

- पाकिस्तान और हॉन्गकॉन्ग का मैच: लगातार बारिश के कारण पाकिस्तान और हॉन्गकॉन्ग के बीच खेला जाने वाला क्वार्टर फाइनल मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके रद्द (Washout) करना पड़ा।
- सेमीफाइनल में कौन पहुँचा?: बेहतर ICC T20I रैंकिंग होने के कारण पाकिस्तान की टीम ने सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है, जबकि हॉन्गकॉन्ग की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है।
- भारत-अफगानिस्तान मुकाबले का हाल: खराब मौसम और बारिश के साये के बीच भारत और अफगानिस्तान का क्वार्टर फाइनल मुकाबला भी बारिश की भेंट चढ़ गया और रद्द हो गया।
- एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट से जुड़े अन्य मुख्य अपडेट इस प्रकार हैं:
- कल होने वाले अगले क्वार्टर फाइनल मुकाबले (29 सितंबर):
- श्रीलंका बनाम नेपाल (सुबह का मुकाबला)
- बांग्लादेश बनाम मलेशिया (दोपहर का मुकाबला)
- सेमीफाइनल का शेड्यूल:
- दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 1 अक्टूबर 2026 को खेले जाएंगे।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300